राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

वर्ष 14,अंक 215, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

दस दिन बिना बैग के स्कूल जायेंगे बच्चे..03

सरीला तहसील के इछौरा-जिटकिरी क्षेत्र में अवैध बालू खनन चरम पर, ग्रामीणों में रोष..04

एनआईए ने कहा- लाल क़िले के पास हुआ विस्फोट कार से किया गया आत्मघाती हमला था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार धमाके में 13 लोगों की मौत के एक सप्ताह बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार (16 नवंबर) को कहा है कि कार चलाने वाला पेशे से डॉक्टर उमर उल नबी एक 'सुसाइड बॉम्बर' था. एनआईए ने कश्मीर के एक निवासी को गिरफ्तार किया है, जिस पर उमर नबी के साथ मिलकर इस आतंकी हमले की साजिश रचने का आरोप है. एनआईए के बयान से यह पुष्टि होती है कि राष्ट्रीय राजधानी में यह पहला ऐसा आत्मघाती हमला था,जो कार की मदद से किया गया. इससे पहले 10 नवंबर के विस्फोट के तुरंत बाद गृह मंत्रालय के सूत्रों ने कहा था कि शुरुआती जांच में यह संकेत मिला है कि विस्फोट समय से पहले हो गया था. पुलिस के दबाव और उसके दो साथियों की गिरफ्तारी के चलते संदिग्ध जल्दबाज़ी में था, इसलिए विस्फोट उतना बड़ा नहीं हुआ जितना हो सकता था. रविवार को एनआईए ने बताया कि जिस कार से धमाका हुआ था, वह किसी आमिर राशिद अली के नाम से रजिस्टर्ड थी. राशिद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है।

एनआईए ने 11 नवंबर को दिल्ली पुलिस से यह केस अपने हाथ में ले लिया था, और उसके बाद कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया है. एनआईए के मुताबिक, उसकी जांच में यह सामने आया है कि जम्मू-कश्मीर के पंपोर के सांबूरा निवासी आमिर ने कथित 'सुसाइड बॉम्बर' उमर नबी के साथ हमले की साजिश रची थी. एनआईए ने कहा, 'आमिर दिल्ली आया था ताकि उस कार की खरीद में मदद कर सके, जिसे बाद में वाहन-आधारित आईईडी के रूप में इस्तेमाल किया गया था.' एजेंसी ने यह भी बताया कि फॉरेंसिक जांच से मारे गए कार ड्राइवर की पहचान उमर नबी के रूप में हुई है. वह पुलवामा का निवासी था और हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल-फ़लाह यूनिवर्सिटी में जनरल मेडिसिन विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर था।

एनआईए के बयान में कहा गया है, 'एजेंसी ने नबी की एक दूसरी कार भी जब्त की है, जिसे सबूतों के लिए खंगाला जा रहा है. एजेंसी अब तक 73 गवाहों से पूछताछ कर चुकी है, जिनमें धमाके में घायल लोग भी शामिल हैं.' बताया गया है कि दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की पुलिस तथा अन्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर

एनआईए की कई राज्यों में इस ब्लास्ट से संबंधित जांच जारी है. एजेंसी ने कहा, 'हमले के पीछे की बड़ी साज़िश का पता लगाने और अन्य शामिल लोगों की पहचान के लिए कई सुरागों पर काम चल रहा है।'

घटनास्थल पर मिले कारतूसः दिल्ली पुलिस सूत्र

उधर, दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि धमाके वाली जगह से 5 बुलेट कारतूस मिले हैं, जिनमें दो 9 एमएम के इस्तेमाल किए हुए कारतूस भी शामिल हैं. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ऐसे कारतूस आम नागरिकों को जारी नहीं किए जाते और सिर्फ विशेष बलों या विशेष अनुमति वाले व्यक्तियों को ही दिए जाते हैं. जांच में पाया गया कि वहां तैनात किसी भी सुरक्षाकर्मी का कोई कारतूस गायब नहीं था. बताया गया है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने घाटी में कार डीलरों और खाद-रसायन बेचने वालों-खासकर अमोनियम नाइट्रेट बेचने वालों की जांच तेज कर दी है. यह जांच अभियान उस समय शुरू हुआ जब 9-10 नवंबर को फरीदाबाद में छापेमारी के दौरान लगभग 2,900 किलो विस्फोटक बरामद किया गया, जिसमें अमोनियम नाइट्रेट भी शामिल था. यह बरामदगी कश्मीर में सात-सदस्यीय अंतर-राज्यीय 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल का पता लगने के बाद हुई 30 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच इस मॉड्यूल से जुड़े तीन डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया था. बाद में बताया गया है कि जांच में यह पूरा मामला दिल्ली कार धमाके से जुड़ा पाया गया, क्योंकि लाल किले के पास विस्फोट करने वाली आई20 कार का चालक डॉक्टर उमर नबी उन्हीं तीन में से दो डॉक्टरों- मुज़म्मिल अहमद गनई और अदील अहमद राथर का सहयोगी था. ये तीनों दक्षिण कश्मीर के निवासी हैं. तीसरी डॉक्टर शाहीन सईद लखनऊ की रहने वाली है और अल-फ़लाह यूनिवर्सिटी में काम करती थीं, जहां डॉ. गनई और डॉ. नबी भी काम करते थे. डॉ. राथर को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया गया है।

सत्ता के गुरूर में जो नाइंसाफी... जुल्म की हदें पार कर देते हैं- अखिलेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ट नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा सुनाये जाने के बाद बिना नाम लिए योगी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सत्ता के गुरूर में जो नाइंसाफी और जुल्म की हदें पार कर देते हैं, वो खुद एक दिन कुदरत के फैसले की गिरफ्त में आकर एक बेहद बुरे अंत की ओर जाते हैं लोग सब कुछ देख रहे हैं। आप को बता दें कि रामपुर की एक स्थानीय अदालत ने समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री आजम खान और उनके बेटे एवं पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को चुनाव लड़ने के लिए जाली पैन कार्ड बनवाने के मामले में सोमवार को दोषी करार देते हुए सात-सात साल कैद की सजा सुनाई। अभियोजन अधिकारी राकेश कुमार मौर्य के अनुसार, विशेष सांसद-विधायक (एमपी-एमएलए) अदालत के न्यायाधीश

शोभित बंसवाल ने दोनों को दोषी ठहराते हुए सात-सात साल कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

मौर्य ने बताया कि 2019 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं वर्तमान में रामपुर से विधायक आकाश सक्सेना ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अब्दुल्ला आजम के पहले पैन कार्ड में उनकी जन्मतिथि एक जनवरी 1993 दर्ज थी, जिसके अनुसार उनकी उम्र 25 वर्ष नहीं थी और वह 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने के योग्य नहीं थे। आरोप है कि आजम खान ने अपने बेटे को चुनाव लड़वाने के लिए दूसरा पैन कार्ड बनवाया, जिसमें जन्म वर्ष 1990 दर्ज कराया गया। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 467 (मूल्यवान प्रतिभूति की जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के लिए जालसाजी), 471 (जाली दस्तावेज का उपयोग) और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज हुआ था। अभियोजन अधिकारी के अनुसार, अदालत ने माना कि अब्दुल्ला ने अपने पिता के साथ मिलकर ''साजिश'' रचते हुए जाली पैन कार्ड प्राप्त किया और उसे आधिकारिक रिकॉर्ड में जमा किया। मौर्य ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष इस फैसले की समीक्षा करेगा और यदि आवश्यकता महसूस हुई तो सजा बढ़ाने के लिए अपील दायर करने पर विचार किया जाएगा। सजा सुनाए जाने के बाद गिरफ्तारी के सवाल पर मौर्य ने स्पष्ट किया, 'हां, बिल्कुल।' विभिन्न मामलों में आरोपी आजम खान करीब 23 महीने तक जेल में रहने के बाद इस साल सितंबर में सीतापुर कारागार से रिहा किये गये थे। वहीं, अब्दुल्ला भी एक मामले में करीब नौ माह पहले हरदोई जेल से छूटे थे।

आबादी एक लाख, वोटर बस 4000... गुलशन कॉलोनी का क्या है राज़? बंगाल में SIR शुरू होते ही बवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में पंचाननग्राम स्थित गुलशन कॉलोनी एक बार फिर राजनीतिक हलचल के केंद्र में आ गई है. यहां वोटर लिस्ट के विशेष सघन पुनरीक्षण यानी SIR की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही इलाके में हलचल तेज हो गई है. स्थानीय लोग लंबे समय से दावा करते हैं कि इस बस्ती में करीब एक लाख लोग रहते हैं, लेकिन वोटर लिस्ट में सिर्फ तीन से चार हजार नाम दर्ज हैं. यही अंतर अब तीखे राजनीतिक आरोपों का आधार बन गया है. गुलशन कॉलोनी की तंग गलियों, जर्जर मकानों और कम रोशनी वाली सड़कों के बीच बड़ी संख्या में मजदूर, छोटे कारोबारी और किरायेदार परिवार रहते हैं. यहां रहने वालों की आबादी अधिकतर अल्पसंख्यक समुदाय की है. कुछ साल पहले यह इलाका तब चर्चा में आया था, जब स्थानीय पार्षद पर जानलेवा हमला हुआ था और पुलिस जांच में सामने आया था कि आरोपी इसी कॉलोनी में रह रहा था. अब जबसे SIR की प्रक्रिया शुरू हुई है तभी से यहां का माहौल एक बार फिर गरम है. लोग सुबह से ही हेल्प सेंटर्स पर अपने फॉर्म से जुड़ी जानकारी के लिए कतारों में खड़े दिखाई देते हैं. कई लोग दावा करते हैं कि वे असल में बिहार या उत्तर प्रदेश से आए मजदूर परिवार हैं, जबकि कुछ बताते हैं कि उन्हें अभी तक कोई फॉर्म मिला ही नहीं है।

टीएमसी क्या दे रही दलील?

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक

स्थानीय नेता फरूक का कहना है कि विपक्ष 'नकारात्मक प्रचार' कर रहा है. उनका कहना है कि वोट कम होने का कारण यहां रहने वाले परिवारों का बाहर से आकर बसना है. उनके अनुसार, 'यहां लोग बिहार और यूपी से आए हैं, लेकिन किसी तरह की अवैध घुसपैठ का आरोप गलत है.' लेकिन बीजेपी इस बात को मानने को तैयार नहीं है. पार्टी का आरोप है कि वोटर संख्या कम होने की असली वजह अवैध रूप से बसे लोगों की मौजूदगी है. प्रदेश अध्यक्ष शामिक भट्टाचार्य का दावा है, 'हम पूरी तरह से सुनिश्चित हैं कि यहां रहने वाले अधिकतर लोग बांग्लादेश से आए हैं. स्क्रूक्र की प्रक्रिया पूरी होते ही असली तस्वीर सामने आ जाएगी।'

लोगों में डर का माहौल

गुलशन कॉलोनी के अंदर मौजूद डर और अनिश्चितता, बातचीत से साफ महसूस होती है. एक चाय स्टॉल पर बैठे अताउर रहमान बताते हैं कि वे दस साल पहले दिनाजपुर से काम की तलाश में आए थे. उनके अनुसार, 'यह इलाका नया है. लोग काम की वजह से यहां आए हैं. कई बिहार और यूपी से हैं. कौन कहां से आया... यह तो सरकार की जांच ही बताएगी.' दूसरी ओर, टीएमसी के सहायता शिविर पर खासी भीड़ लगी रहती है. मीना अली नाम की एक महिला कहती हैं कि वह तोपसिया से यहां शिफ्ट हुई हैं और अभी तक उन्हें फॉर्म नहीं मिला है. वे आशंकित हैं कि कहीं पते में बदलाव के कारण उनका नाम वोटर लिस्ट से हट न दिया जाए।

कई लोग अपने दस्तावेज़ों को लेकर उलझन में हैं और कुछ अपनी मूल जगह बताने से भी परहेज़ करते हैं. वरिष्ठ नागरिक याकूब अली बताते हैं कि वे पहले राजाबाजार में रहते थे और अब यहां आ गए हैं, लेकिन उन्हें डर है कि कहीं उनका नाम वोटर लिस्ट से हट न जाए. इलाके में यह तय करना कि कौन वैध है और कौन नहीं, जमीन पर मौजूदगी भर से संभव नहीं है. लेकिन यह साफ दिख रहा है कि यहां बड़ी संख्या में प्रवासी और मजदूर तबका रहता है, जिससे वोटर संख्या और आबादी के बीच का अंतर स्वाभाविक रूप से बढ़ जाता है. इधर बीजेपी इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए लगातार कह रही है कि गुलशन कॉलोनी 'बांग्लादेशी और रोहिंग्या बस्ती' है. वहीं टीएमसी इसे बीजेपी का 'ध्रुवीकरण का प्रयास' बता रही है।

SIR की प्रक्रिया ने इस इलाके को आगामी चुनावों से ठीक पहले राजनीतिक टकराव का नया केंद्र बना दिया है. दूसरी ओर, स्थानीय लोग इस बात को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित हैं कि उनके नाम सूची में बने रहेंगे या हट जाएंगे. वोटर लिस्ट की जांच जारी है, आरोप-प्रतिआरोप भी. लेकिन गुलशन कॉलोनी का नाम अब धीरे-धीरे चुनावी बयानों और बहसों में एक नए विवाद की तरह उभर रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

दबंगों ने बाइक सवार तीन युवकों पीटा! वायरल वीडियो पर पुलिस ने लिया बड़ा एक्शन

मेरठ- जिले के थाना कंकरखेड़ा क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों से मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। करीब 19 सेकंड के वीडियो में पांच हमलावर तीन युवकों को घेरकर धारदार हथियारों, लाठियों और लोहे की रॉड से हमला करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दो हमलावर नकाब पहने हुए हैं, जबकि तीन के चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक युवक को जमीन पर गिराकर उसके चेहरे पर लात मारी जा रही है। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि घटना छह नवंबर की बताई जा रही है और वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा, 'घटना के संबंध में तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पहले ही दर्ज किया जा चुका है। वीडियो का तकनीकी विश्लेषण कराया जा रहा है और इसमें दिख रहे युवकों की पहचान की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।' उन्होंने यह भी बताया कि मारपीट की घटना किस वजह से हुई, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस की कई टीम वीडियो में दिख रहे हमलावरों का सुराग जुटाने में लगी हैं।

दिव्यांग बच्चों व अभिभावकों के साथ आयोजित हुई बैठक

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ ब्लॉक संसाधन केंद्र के निकट स्थित शिवपति इंटर कॉलेज के सभागार में दिव्यांग बच्चों व अभिभावकों के साथ समन्वय बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार ने दिव्यांग बच्चों से संबंधित सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के साथ-साथ उनके पढ़ाई लिखाई और सुविधाओं के बारे में जानकारी दिया। दिव्यांग छात्र के अभिभावकों के साथ परामर्श एक पल अभियान के तृतीय चरण के बैठक में विशेष शिक्षक जितेंद्र कुमार, राम भारत, अभिषेक कुमार ने अभिभावकों को जागरुक करते हुए उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि सरकार द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रहे हैं। जिसका लाभ बच्चों को मिल रहा है। दिव्यांग पेंशन, रोजगार से संबंधित प्रशिक्षण ,सुविधाओं आदि के बारे में भी चर्चा किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार ने दिव्यांग बच्चों से सम्बंधित दिव्यांगता प्रमाण पत्र उनके अभिभावकों के बीच वितरित किया।

राष्ट्रपति द्वारा नीट-विरोधी विधेयक को मंज़ूरी न देने के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- तमिलनाडु सरकार ने शनिवार (15 नवंबर) को सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए राष्ट्रपति के उस विधेयक को मंजूरी न दिए जाने के फैसले को चुनौती दी, जो राज्य को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के तहत मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश देने से छूट देता है. ज्ञात हो कि तमिलनाडु विधानसभा में 2021 में 'तमिलनाडु स्नातक चिकित्सा डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश विधेयक, 2021% पारित किया था, जिसके कानून बनने के बाद राज्य में नीट परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल कॉलेजों में कक्षा 12 में प्राप्तांक के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा. बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि राष्ट्रपति द्वारा विधेयक को मंजूरी न दिए जाने के फैसले से संवैधानिक गतिरोध पैदा हो गया है. वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने अधिवक्ता मीशा रोहतगी के माध्यम से यह मुकदमा दायर किया.

राज्य सरकार ने कहा कि नीट शहरी, संपन्न, सीबीएसई से शिक्षित छात्रों के लिए फायदेमंद है, जबकि ग्रामीण पृष्ठभूमि के

वंचित छात्रों के लिए नुकसानदेह है, जो सरकारी और ज़्यादातर तमिल माध्यम के स्कूलों में पढ़े हैं. 2021 के विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ से पहले राज्यपाल के पास भेजा गया था, वहीं राज्य सरकार ने केंद्रीय मंत्रालयों की आपत्तियों और स्पष्टीकरणों का उत्तर भी दिया था. इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति की सहमति बिना कोई कारण बताए यंत्रवत् अस्वीकार कर दी गई और 4 मार्च को राज्यपाल सचिवालय के माध्यम से इसकी सूचना दी गई. अपनी याचिका में राज्य सरकार कहा, 'यह मुकदमा संविधान की व्याख्या के संबंध में कानून का एक बड़ा प्रश्न उठाता है, जिसमें राज्य की विधायी स्वायत्तता, संवैधानिक संघवाद, अनुच्छेद 201, अनुच्छेद 254(2) (यदि कोई राज्य कानून किसी मौजूदा केंद्रीय कानून के प्रतिकूल पाया जाता है) के दायरे और अनुच्छेद 47 के तहत चिकित्सा शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करके जन स्वास्थ्य की रक्षा करने के राज्य के प्राथमिक कर्तव्य से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न उठते हैं.'

इसमें यह भी कहा गया है कि केंद्र द्वारा समान रूप से लागू किए जाने के बाद से 2017 से ही नीट ने तमिलनाडु में 'संतुलन' को बिगाड़ दिया है और इसके परिणामस्वरूप पहली पीढ़ी के छात्र सरकारी स्कूलों से बाहर हो गए हैं. तमिलनाडु सरकार ने कहा, 'नीट प्रणाली ने एक समानांतर और अत्यधिक व्यावसायिक कोचिंग उद्योग को बढ़ावा दिया है, जो अब सालाना हज़ारों करोड़ रुपये कमाता है. आंकड़ों से पता चलता है कि तमिलनाडु में नीट के बाद एमबीबीएस में दाखिला पाने वाले 70% से ज़्यादा छात्र 'रिपीटर' हैं, जबकि सरकारी स्कूलों से पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी प्रभावी रूप से इससे बाहर हो जाते हैं.' ज्ञात हो कि इसी साल अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के विधेयकों को रोकने की कार्रवाई को 'गलत और गैरकानूनी' करार दिया था और कहा था कि किसी भी राज्यपाल के पास निर्वाचित जनादेश वाले और लोगों के प्रति सीधे जवाबदेह विधायिका द्वारा लिए गए फैसलों को अनिश्चित काल के लिए रद्द करने का अधिकार नहीं है.

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- तीन महीने में ध्वस्त करें जिम कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व के सभी अनधिकृत ढांचे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (17 नंवबर) को उत्तराखंड सरकार को जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में पेड़ों की कटाई और अवैध निर्माण सहित हुए नुकसान की भरपाई के लिए जीर्णोद्धार के उपाय करने का निर्देश दिया. द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कई निर्देश जारी किए, जिसमें मुख्य वन्यजीव वार्डन को शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के साथ समन्वय स्थापित करने और तीन महीने के भीतर सभी अनधिकृत ढांचों को ध्वस्त करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया. पीठ ने प्रक्रिया की निगरानी पर ज़ोर देते हुए कहा, 'सीईसी उत्तराखंड द्वारा विकसित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन योजना की निगरानी करेगी.' अदालत ने राज्य को बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई की भरपाई के लिए उपाय लागू

करने का भी निर्देश दिया. मुख्य न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा, 'अगर पर्यटन को बढ़ावा देना है, तो यह इको-टूरिज्म होना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'हमने अपने परिवारों से दूर मुख्य क्षेत्र में काम करने वालों के साथ विशेष व्यवहार करने का निर्देश दिया है.' फैसले के अनुसार, उत्तराखंड सरकार को कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व को हुए पारिस्थितिक नुकसान की मरम्मत और पुनर्बहाली का दायित्व सौंपा गया है. पीठ ने कहा, 'टाइगर सफ़ारी के संबंध में... हमने दिशानिर्देश जारी किए हैं. हमने माना है कि ये 2019 के नियमों के अनुरूप होने चाहिए. बचाव केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए जो उपचार और देखभाल में सहायता प्रदान करें. ये केंद्र टाइगर सफ़ारी के पास होने चाहिए. वाहनों की संख्या को नियंत्रित किया जाना चाहिए.' इसके अतिरिक्त, अदालत ने तीन महीने के भीतर एक बाघ संरक्षण योजना तैयार करने का निर्देश दिया. हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अवैध पेड़ कटाई के मामले में जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के पूर्व निदेशक के खिलाफ मुकदमा चलाने पर रोक लगाने के लिए उत्तराखंड हाईकोर्ट को फटकार लगाई थी.अधिकार नहीं है।

कश्मीर में आतंकी संगठनों की पहली पसंद बने क्लीन इमेज वाले युवा... जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी आकाओं के एक खतरनाक नए 'मोडस ऑपरेंडी' (कार्यप्रणाली) का पता लगाया है. इसके तहत वे ऐसे युवाओं को अपने आतंकी नेटवर्क के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनकी पुलिस वेरिफिकेशन में प्रोफाइल 'क्लीन' पाई जाती है. यह नया तरीका सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रहा है. क्योंकि इस तरीके से आतंकी नेटवर्क सुरक्षाबलों की नजरों से छिपकर अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने का प्रयास कर रहे हैं।

मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में पर्दाफाश किया कि, आतंकी नेटवर्क में शामिल आतंकियों से हुई पूछताछ में सुरक्षा एजेंसियों को यह स्पष्ट हुआ है कि, इस मॉड्यूल में शामिल अधिकांश आतंकी न तो पहले कभी अलगाववादी विचारधारा के समर्थक रहे थे और न ही उनके खिलाफ घाटी के किसी भी पुलिस स्टेशन में कोई स्क्रूक्र दर्ज थी. इसको लेकर जब आतंकियों के परिवार से बात की गई तो परिजनों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि पुलिस ने पूछताछ के लिए कभी उनके घर पर छापा

नहीं मारा और ना कभी उन्हें थाने बुलाया।

गिरफ्तार आरोपियों के परिजन ने क्या कहा?

मामले में दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा के संबुरा के रहने वाले आमिर रशीद, डॉ. उमर रशीद और आमिर को हद्दू ने डॉ. उमर का साथी बताया है, जबकि परिवार के अनुसार आमिर के खिलाफ आजतक कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है.

इसी तरह पुलवामा के कोयल निवासी डॉ. मुजम्मिल के परिजनों ने बताया कि उनके खिलाफ भी कोई मामला दर्ज नहीं है और न ही वह कभी किसी अलगाववादी विचारधारा या गतिविधि का हिस्सा रहा है।

दिल्ली फिदायीन हमले में शामिल डॉ. उमर की भाभी ने भी टीवी9 को बताया कि पुलिस आजतक उमर की तफ्तीश के लिए उनके घर नहीं आई और न ही उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज था।

इसी तरह आतंकी नेटवर्क में पकड़े गए मौलवी इरफान का भी किसी थाने में कोई मामला ही दर्ज नहीं और ऐसे ही सबसे पहले पकड़े गए डॉक्टर अदील का हैं।

सुरक्षाबलों से बचने के लिए कर रहे ये काम

इससे यह साफ है कि इस पूरे आतंकी नेटवर्क के सभी चेहरे ऐसे हैं जो न तो पहले कभी अलगाववादी विचारधारा के समर्थक रहे, न ही पथराव या अन्य कानून-विरोधी गतिविधियों में शामिल थे, और न ही उनके खिलाफ किसी पुलिस स्टेशन में कोई मामला दर्ज है. साथ ही वेरिफिकेशन में इनका पुलिस रिकॉर्ड भी 'क्लीन' है. इसीलिए अब ये आतंकी संगठन ऐसे युवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि सुरक्षाबलों की नजरों से उनका नेटवर्क छिपा रहे और वे अपने नापाक मंसूबों को चुपचाप अंजाम दे सकें।

रूस-यूक्रेन युद्ध: ग्लाइड बॉम्ब खतरे की परिप्रेक्ष्य में एक गहरा संकट

यूक्रेनी खुफिया (इंटेलिजेंस) की रिपोर्टों के अनुसार एवं एक समाचार के अनुसार, रूस इस समय लगभग 1,20,000 ग्लाइड बॉम्ब बना रहा है, जिनमें से कुछ की रेंज अनुमानित रूप से 200 किमी हो सकती है, और भविष्य में इसे 400 किमी तक बढ़ाने की कोशिश में है। यदि ये जानकारी सही है, तो यह न केवल आधुनिक सैन्य रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, बल्कि यूक्रेन की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन सकता है। लेकिन इस खतरे की गंभीरता को समझने के लिए, हमें पहले देखना होगा कि यह युद्ध कब शुरू हुआ और अब तक इसके दोनों पक्षों को कितना भारी नुकसान उठाना पड़ा है। कब और कैसे शुरू हुआ यह संघर्ष?रूस-यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत 2014 में हुई थी। उस साल, रूस ने क्रीमिया क्षेत्र को अवैध रूप से अपने कब्जे में ले लिया था। इसके बाद, पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में रूसी समर्थित अलगाववादियों और स्थानीय मिलिशिया के बीच लड़ाइयाँ शुरू हो गई। फिर 24 फ़रवरी 2022 को, रूस ने एक पूरे पैमाने पर आक्रमण शुरू किया, जिसे अक्सर आज के युद्ध की प्रमुख शुरुआत माना जाता है। इस तरह, यदि हम 2025 की बात करें, तो यह पूरी तरह से चल रहा युद्ध लगभग 3 साल से ज्यादा का हो चुका है, जबकि संघर्ष का चलना कुल मिलाकर 11 साल से अधिक का इतिहास लिए हुए है। 2014 से चालू है।नाटो देशों की मदद से यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादीमिर जेलेंस्की टिके हुए है। अब तक का भारी नुकसान हुआ है,जिसमे इंसानी, आर्थिक और संरचनात्मक शामिल है।यह युद्ध केवल जंगी मोर्चों तक सीमित नहीं रहा है । इसमें मानवीय त्रासदी, व्यापक अवसंरचनात्मक बर्बादी और आर्थिक तबाही शामिल है।2.1 इंसानी क्षति और अन्य स्रोतों के अनुसार, रूस के 2022 के पूर्ण-आक्रमण के बाद बहुत बड़े पैमाने पर नागरिक एवं सैन्य हताहत हुए है। ब्रिटानिका की रिपोर्ट बताती है कि 2014 के बाद, डोनबास संघर्ष में लगभग 14,000 लोग मारे गए, जिनमें ग़ैर-सैन्य भी शामिल थे। पीबीएस की रिपोर्ट कहती है कि फ़रवरी 2022 से दिसंबर 2024 तक कम से कम 12,456 नागरिक मारे गए और 30,000 से अधिक घायल हुए, इसके अलावा लाखों विस्थापित हुए। इंसानी नुकसान सिर्फ मृत्यु तक सीमित नहीं है । विस्थापन बहुत बड़ा पैमाना है।पीबीएस रिपोर्ट में यह भी है कि लगभग 7 मिलियन लोग देश छोड़ चुके हैं, जिनमें बहुत से महिलाएं और बच्चे हैं। 2.2 आर्थिक और अवसंरचनात्मक विनाश युद्ध ने यूक्रेन की आधारभूत संरचनाओं ,इन्फ्रास्ट्रक्चर को बहुत बड़ा झटका दिया है। स्टेटिस्टा के आंकड़ों के अनुसार, 24 फ़रवरी 2022 से 31 दिसंबर 2024 तक इन्फ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान लगभग 176 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इस अवधि में, आवास को लगभग 57.6 अरब डॉलर, और परिवहन को लगभग 36.7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। रॉयल युनाइटेड सर्विसेज़ इंस्टिट्यूट का विश्लेषण कहता है कि कीव स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ने अनुमान लगाया है कि नवीनीकरण लागत लगभग 137.8 अरब डॉलर है, जिसमें बुरी तरह क्षतिग्रस्त पुल, स्कूल, अस्पताल और हजारों घर शामिल हैं। इसके अलावा, व्यापक आर्थिक गिरावट का सामना करना पड़ा है।यूक्रेन का सकल घरेलू उत्पाद 2022 में लगभग 29% घट गया था। यकीनन, युद्ध की वजह से पुनर्निर्माण की जरूरत बहुत बड़ी है, और अनुमान है कि यह खर्च कई सौ अरब डॉलर में हो सकता है। 2.3 सामाजिक और मानव संसाधन हानियूक्रेनी इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स का कहना है कि सिर्फ प्रत्यक्ष युद्ध हताहतों की ही कीमत नहीं है । संघर्ष की वजह से लाखों लोग विस्थापित हुए हैं, और कई लोगों का रोजगार चला गया है। इसके अलावा, युद्ध ने ब्रेन ड्रेन को भी बढ़ाया है। कुछ अध्ययन बताते हैं कि यूक्रेनी और रूसी दोनों पेशेवरों, खासकर तकनीकी क्षेत्र में, विस्थापन कर चुके हैं। . ग्लाइड बॉम्ब की भूमिका और खतरा दोनो देशो के लिए है।? ये नई रणनीतिअब हम वापस उस मुद्दे पर आते हैं, जिसे आपने उठाया है ग्लाइड बॉम्ब। ये आधुनिक प्रणाली हाल के वर्षों में युद्ध के तरीकों में बदलाव ला रही है।3.1 ग्लाइड बॉम्ब क्या है? ग्लाइड बॉम्ब एक ऐसी प्रकार की बम है जिसे एक विमान से छोड़ा जाता है और यह अपनी गति और वायुगतिकी का उपयोग करके अपेक्षाकृत लंबी दूरी तक ग्लाइड कर सकता है, बजाय सीधे मिसाइल जैसे इंजन वाले प्रपल्शन की आवश्यकता के। इसका मतलब है कि इन्हें सस्ते और बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है, और इन्हें मिसाइल की तुलना में अधिक दूरी तक, कम लागत में लॉन्च किया जा सकता है।3.2 रूस का उत्पादन और विस्तार योजना अब दुनिया मे स्थान अव्वल है।यूक्रेनी खुफिया की जानकारी के मुताबिक, रूस लगभग 1,20,000 ग्लाइड बॉम्ब बना रहा है। इनमें से कुछ की रेंज लगभग 200 किमी की मारक दूरी तक हो सकते हैं, जो पहले की तुलना में एक बड़ा उछाल है। और भी चिंताजनक खबर है कि रूस इस रेंज को 400 किमी तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। 3.3 इस खतरे की गंभीरता क्यों है?कम लागत, उच्च क्षमता । क्योंकि ये मिसाइल जितनी महंगी नहीं होतीं और इंजन नहीं रहते, रूस बड़ी संख्या में इन्हें बना सकता है। इसका मतलब यह है कि वे बड़े पैमाने पर हमला-क्षमता बढ़ा सकते हैं। 400 किमी की क्षमता के साथ, लक्ष्य सिर्फ सीमाई क्षेत्र ही नहीं, बल्कि बहुत दूर तक जा सकते हैं । प्रमुख शहर, महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक बिंदु, ऊर्जा संयंत्र आदि जोखिम में आ सकते हैं। ग्लाइड बॉम्ब को इंटरसेप्ट करना कठिन हो सकता है क्योंकि ये मिसाइल की तरह नहीं चलते। उनकी ट्रैजेक्टरी कम अनुमानित हो सकती है और पारंपरिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम पुरानी मिसाइलों के लिए बने हो सकते हैं। मानव और आर्थिक जोखिम भी है। अगर ऐसे बम व्यापक रूप से इस्तेमाल किए गए, तो यह नागरिक बस्तियों, बिजली और ऊर्जा संरचना, आवासीय इलाकों और अन्य संवेदनशील परिसंपत्तियों को बड़े पैमाने पर नष्ट कर सकता है। यह स्थिति सिर्फ वर्तमान तक सीमित प्रश्न नहीं है । यह भविष्य की रणनीति, वैश्विक सुरक्षा और युद्ध की धाराओं को पुनर्परिभाषित कर सकती है। 4.1 युद्ध की अवधि और आगे बढ़ने की संभावनाजैसा कि पहले बताया गया, यह संघर्ष 2014 से चल रहा है, और 2022 के बाद यह एक पूर्ण-पैमाने पर युद्ध में बदल गया। एक विशेषज्ञ जैसे समूह ने पहले कहा था कि युद्ध कई साल तक चल सकता है।ग्लाइड बॉम्ब जैसी तकनीकों की तैनाती यह संकेत देती है कि रूस लंबी अवधि के लिए सैन्य रणनीति बना रहा है, न कि सिर्फ तात्कालिक विजय के लिए। 4.2 पुनर्निर्माण और अंतराष्ट्रीय मदद की ज़रूरत है।युद्ध के विनाश का पैमाना इतना बड़ा है कि यूक्रेन को न सिर्फ मानवीय राहत की ज़रूरत है, बल्कि बहु-वर्षीय पुनर्निर्माण योजना की भी।अभी तक अनुमान है कि पुनर्निर्माण की लागत सैकड़ों अरब डॉलर में हो सकती है। अंतराष्ट्रीय संस्थानों, पश्चिमी देशों और दाताओं को भूमिका निभानी होगी कि वे वित्तीय, तकनीकी और प्रबंधन समर्थन दें।4.3 रक्षा रणनीति और टेक्नोलॉजी प्रतिस्पर्धा यूक्रेन को अपनी मिसाइल-डिफेंस क्षमताओं और एयर-डिफेंस प्रणाली को और मजबूत करना होगा, ताकि ग्लाइड बॉम्ब जैसे हथियारों का मुकाबला किया जा सके।साथ ही, रूस की ग्लाइड बॉम्ब क्षमता दूसरे देशों के लिए भी एक अप्रत्याशित चेतावनी बन सकती है, जो भविष्य की सैन्य प्रतिस्पर्धा में एक बड़ा फैक्टर बन जाए।यह युद्ध आधुनिक युद्ध की प्रकृति को बदलने का संकेत दे सकता है । कम-लागत, लंबी दूरी, उच्च संख्या में हथियार तैनाती, और रणनीतिक ग्लाइड हथियारों की भूमिका बढ़ती जा सकती है। 4.4

मानवीय और ग्लोबल सुरक्षा पहलूग्लाइड बॉम्बों के बढ़ते उपयोग से नागरिक इलाकों में अधिक जोखिम है । युद्ध के नियमों, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार और युद्धनैतिकता पर गंभीर दबाव पड़ेगा। अगर ये हथियार बड़े पैमाने पर उपयोग किए जाते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को युद्ध विराम, निगरानी और नियंत्रित उपयोग पर पुनर्विचार शुरू करना पड़ सकता है।इसके अलावा, अन्य राष्ट्र भी इस रणनीति को अपनाने की सोच सकते हैं, जिससे ग्लोबल अस्थिरता का खतरा बढ़ेगा। बर्बादी की कगार पर है एक संघर्ष का भविष्य और इससे तीसरे विश्व युद्ध की कगार पर है दुनिया के सभी देश। यूक्रेनी खुफिया द्वारा बताई गई 1,20,000 ग्लाइड बॉम्ब की उत्पादन योजना सिर्फ एक संख्यात्मक आंकड़ा नहीं है। यह भविष्य के युद्ध की रणनीति का एक संकेत है। यह दर्शाता है कि रूस न केवल वर्तमान संघर्ष को लंबा खींचने का इरादा रखता है, बल्कि उसे तकनीक-चालित, बड़े पैमाने के, रणनीतिक हमलों के लिए तैयार कर रहा है। उसी समय, यूक्रेन ने अपने राष्ट्रभक्ति, प्रतिरोध और अंतरराष्ट्रीय समर्थन की मदद से अदम्य हिम्मत दिखाई है। लेकिन ग्लाइड बॉम्ब जैसी नई चुनौतियाँ इसे और कठिनाइयों की ओर ले जा सकती हैं। युद्ध अब मानव संवेदनशीलता इन्फ्रास्ट्रक्चर, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा संरचनाओं पर प्रत्यक्ष प्रभाव डाल रहा है। यदि यह हथियार प्रणाली बड़े पैमाने पर उपयोग में लाई जाती है, तो यह न केवल यूक्रेन, बल्कि पूरे यूरोप और संभवतः दुनिया भर में सुरक्षा के नए जोखिम खड़े कर सकती है। अंततः, यह समय है ।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अधिक सक्रिय होना चाहिए।युद्ध-नियंत्रण पर नए मॉडल पर विचार करना चाहिए, औरयूक्रेन को दीर्घकालीन सहायता और रणनीतिक समर्थन देना चाहिए, ताकि यह देश न केवल बचे, बल्कि पुनर्निर्माण कर सके।यदि ग्लाइड बॉम्ब का खतरा अनियंत्रित रूप से बढ़ा, तो यह न केवल एक राष्ट्रीय संघर्ष होगा, बल्कि वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक प्रमुख संकट बन सकता है।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

माय बाप ही ले डूबे तेजस्वी-राहुल को

दुनिया मे सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनाव होते हैं भारत में लेकिन भारत के सबसे कठिन चुनाव होते हैं बिहार में। बिहार वह लोकतांत्रिक भट्टी है जहाँ से तपे-तपाए राजनीतिक निकलते हैं। यह बात ओर है कि कई बार इतने तप जाते हैं कि झुलस ही जाते हैं। इस बार के बिहार विधानसभा चुनावों में तेजस्वी यादव और राहुल गांधी को कुछ ऐसा ही महसूस हो रहा होगा। जातिगत समीकरणों को साधने के चक्कर में ये चौबे जी छब्बे बनने चले थे पर दुबे जी बनकर रह गए। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 ने न केवल राजनीतिक समीकरणों को नया आकार दिया, बल्कि विपक्षी महागठबंधन (राष्ट्रीय जनता दल-कांग्रेस) की जातिगत एकीकरण रणनीति 'एमवाई प्लस बाप' (M-Y प्लस BAAP) को भी बुरी तरह विफल कर दिया। कुल 243 सीटों वाली इस सभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 208 सीटें हासिल कर ऐतिहासिक बहुमत प्राप्त किया, जबकि महागठबंधन को मात्र 35 सीटें मिलीं। राजद को 20, कांग्रेस को 6 और शेष अन्य सहयोगियों को मिलीं। कुल वोट शेयर में महागठबंधन का 27.4 फीसदी रहा, जो 2020 के 31.2 से 3.8 नीचे है। यह फॉर्मूला, जो मुस्लिम-यादव (एमवाई) के पारंपरिक वोट बैंक को बहुजन (बी), अतिपिछड़ा (ए), आदिवासी (ए) और पिछड़ा वर्ग (पी) के साथ जोड़ने का दावा करता था, सोशल मीडिया और भाषणों में 'माय बाप' के रूप में प्रचारित किया गया, लेकिन मतदाताओं ने इसे भी ठुकरा दिया। यानी 'माय बाप' भी नहीं बचा पाए महागठबंधन को। 'माय-बाप' फॉर्मूला लालू प्रसाद यादव की विरासत पर टिका था। पारंपरिक रूप से, बिहार में मुस्लिम (17 प्रतिशतआबादी) और यादव (14 प्रतिशत) का संयोजन विपक्ष का मजबूत आधार रहा है, जो 2020 में महागठबंधन को 75 सीटें दिला चुका था; लेकिन 2025 में तेजस्वी यादव ने इसे विस्तार दिया। यह फॉर्मूला था- 'बी' से बहुजन (दलित-एसी/एससी, 16%), 'ए' से अतिपिछड़ा (ईबीसी, 36%), दूसरे 'ए' से आदिवासी-अनुसूचित जनजाति (एसटी, 1.3%) और 'पी' से पिछड़ा वर्ग (ओबीसी, 27%) को मिलाकर एक 'सामाजिक न्याय' छतरी बनाना, जिसके नीचे 70 फीसदी से अधिक आबादी आ जाए, जो एनडीए की 'सवर्ण-ईबीसी' ध्रुवीकरण को चुनौती दे सके। यह फॉर्मूला पहली बार इसी साल सितंबर में तेजस्वी के पटना रैली में सामने आया, जहां

उन्होंने कहा, 'एमवाई हमारा मूल, बाप हमारी ताकत–सबका न्याय, सबका विकास।' कांग्रेस ने इसे समर्थन दिया। राहुल गांधी की 'वोट अधिकार यात्रा' के दौरान इसे 'सामाजिक एकता' के रूप में प्रचारित किया गया। फॉर्मूला सैद्धांतिक था, लेकिन जमीनी स्तर पर सीट बंटवारे में इसके असंतुलन (राजद को 143, कांग्रेस को 61) ने आंतरिक कलह को जन्म दे दिया। 'माय बाप' एक भावनात्मक अपील थी, जो पितृसत्तात्मक समाज में 'परिवारिक एकता' का प्रतीक था। तेजस्वी के ट्विटर हैंडल पर 15 अक्टूबर को पोस्ट किया गया वीडियो, जिसमें वे कहते हैं, 'माय बाप–मुस्लिम, यादव, बहुजन, अति पिछड़ा, आदिवासी, पिछड़ा–सब एक परिवार,' ने करीब 2.5 मिलियन व्यूज पाए। महागठबंधन से जुड़े दलों के राजनीतिक भाषणों में यह स्लोगन प्रमुख था। 25 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर रैली में तेजस्वी ने हुंकार भरी, 'एनडीए का बाप कौन? माय बाप!' जो भीड़ को उत्साहित करने के लिए उभारा गया था। राहुल गांधी ने भागलपुर में इसे 'लोकतंत्र का परिवार' कहा। लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उनका यह प्रयास उल्टा पड़ा। 'बाप' शब्द की पितृसत्तात्मक व्याख्या ने महिलाओं में(बिहार में 48 प्रतिशत मतदाता) को आक्रोशित कर उन्हें अलगा दिया। राजनीतिक पंडितों के विश्लेषण में, 40 फीसदी महिलाओं ने 'माय बाप' को 'पुरुष-केंद्रित' माना। सोशल मीडिया पर महागठबंधन के '#MyBaapBihar' ट्रेंडिंग रहा तो विपक्षी '#MyBaapFail' ने 1 लाख रीट्वीट्स के साथ काउंटर किया, वहीं लाखों यूजर्स ने इस स्लोगन को जातिवादी होने का आरोप भी लगाया। जिसका नतीजा यह हुआ कि चुनावी जनादेश ने 'माय-बाप' को पूरी तरह नकार दिया। आंकड़ों के अनुसार, महागठबंधन का कुल वोट शेयर 27.4% रहा, जिसमें आरजेडी का 18.2 और कांग्रेस का 5.1 था। एमवाई ब्लॉक में, यादव वोट 65 से घटकर 52 प्रतिशत रह गया। 13 सीटों पर एनडीए ने यादव-बहुल क्षेत्रों (जैसे सारण, वैशाली) में सेंध लगाई। मुस्लिम वोट भी 58 से 48% पर सिमट गया, जहां एआईएमआईएम ने 5 सीटें काट लीं। 'बाप' घटक और भी कमजोर साबित हुए। ईबीसी (36% आबादी) में महागठबंधन को मात्र 28 फीसदी वोट मिले, जबकि एनडीए को 52 फीसदी। दलित (बहुजन) वोट 45 से घटकर 35 प्रतिशत रह गया। इनमें चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) ने 4 सीटें काट लीं। एसटी क्षेत्रों (जैसे सहरसा) में महागठबंधन शून्य पर रहा। कुल 35 सीटों में से 22 एमवाई से, केवल 13 'बाप' से आईं। 'माय-बाप' की विफलता बिहार राजनीति में सकारात्मक बदलाव और जातिवाद के ह्रास का प्रमाण है। 1990 के मंडल युग से चली आ रही यह रणनीति अब अप्रासंगिक हो रही है, जहां आर्थिक सुरक्षा, रोजगार और महिला सशक्तीकरण जैसी बातें जाति से ऊपर उठ रही हैं।

इस फॉर्मूले की काट में एनडीए ने 'महिला-युवा-ईबीसी' त्रिकोण बनाया जो 'माय बाप' पर भारी पड़ा। 'माय बाप' पुरानी जातिवादी राजनीति का प्रतीक बना जो आज की पीढ़ी को मंजूर नहीं और उसने उसे ठुकरा दिया। इसका खामियाजा राजद और कांग्रेस दोनों ने भुगता। कांग्रेस को महज 5.1 प्रतिशत वोट मिले जो 70 वर्षों में सबसे कम है, तो राजद भी औंधे मुंह जा गिरा। 'माय-बाप' महागठबंधन का अंतिम प्रयास था जातिगत राजनीति को पुनर्जीवित करने का, लेकिन 35 सीटों की हार ने इसे दफना दिया और यह चुनाव बिहार को परिपक्व लोकतंत्र की दिशा में ले गया।

हरीश शिवनानी

जनहित ओर राष्ट्रहित के सकाम कर्म से ही सता की लंबी पारी संभव

बिहार विधानसभा चुनावों में विपक्ष की करारी हार के बाद सत्तारूढ़ सरकार और सरकारी मिशनरी को दोष देना राजनीतिक दलों का पुराना शगल रहा है लेकिन महागठबंध में शामिल अमूमन सभी दलों को इस हार के लिए सरकार या किसी मिशनरी को दोष देने की बजाय सभी दलों को अपना अपना मंथन करना चाहिए ! विपक्षी दलों को यह समझना होगा कि देश अब इक्कीसवीं सदी में जी रहा हे और देश की शहरी जनता की तरह ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली जनता को भी केंद्र ओर राज्य सरकारो के कार्यों का अच्छा बुरा विश्लेषण करना बेहतर से आता है। देश को राजनीतिक दलों को चुनावी सभाओं रेलियों में जनता की भारी भीड़ को उमड़ते देख अब भ्रम को भी निकाल देना होगा कि जनता की हुजूम उनकी लोकप्रियता हे और वह जो कहेंगे उसे जनता आत्मसात कर पालन करेगी ! राजनीतिक दलों को यह नहीं भूलना चाहिए कि इक्कीसवीं सदी के भारत की जनता उनकी नजरों में भले अशिक्षित हो लेकिन देश के सुदूर ग्रामीण अंचलों तक में रहने वाली जनता इतनी तो समझदार हे कि इस युग में जाती, धर्म से पेट नहीं भरता हे बल्कि सकाम कर्म करने से ही पेट भरता है।

बिहार की जनता के प्रचंड जनादेश से देश से ही जातिवाद की राजनीति को मूल से नष्ट कर दिया है। अब देश के विपक्षी राजनीतिक दलों को नए सिरे से मंथन कर जनमानस में विश्वसनीय छवि बनाने के लिए मंथन कर खुले मन से सत्तारूढ़ दलों के द्वारा किए गए उनकी अच्छे कार्यों की जनता के बीच प्रशंसा कर उनसे बेहतर कार्य करने का विजन रखना होगा! राजनीतिक पूर्वाग्रह और नफरती जात पात की राजनीति से ऊपर उठकर विपक्ष दलों को सत्तारूढ़ दलों का मार्गदर्शक बन सरकार से जनहित ओर राष्ट्रहित के कार्यों में सहयोग कर जनमानस के बीच अपनी छवि को बेहतर बनाना होगा ! देश के राजनीतिक दलों को संवैधानिक पदों पर बैठे किसी भी व्यक्ति पर या उसके परिवार पर दोषारोपण करने की बजाय सरकार की राष्ट्र या जनहित में लाभ नहीं होने वाली गलत नीतियों का विरोध करना चाहिए! देश के राजनेताओं से जनता आरोप प्रत्यारोप के इतर स्वच्छ स्वस्थ राजनीति चाहती हे जो राष्ट्रहित ओर जनहित के मुद्दे पर सदैव मुस्तैद रहे! लोकतंत्र में सरकारें कभी स्थाई नहीं होती वह जनमत के मूड पर टिकी रहती है। जनतंत्र में राजनीतिक चेहरे का विश्वसनीय होना बेहद जरूरी हे तभी आप जनमत के बुते पर सरकार को दो बार चार बार ओर छ बार भी बरकरार रख सकते है। बिहार का जनादेश ने महागठबंधन में शामिल दलों के वादों को उनकी कही बातो में विश्वनीयता नजर नहीं आने की वजह से नकारा है।

अतएव बिहार के जनादेश से एक जिन्हें विजय मिली उन्हें भी ओर जिन्हें पराजय मिली उन्हें भी यह सबक अब पक्के से याद रखने की जरूरत हे कि भारत की राजनीति में अब केंद्र हो या राज्य जिला पंचायत हो या ग्राम पंचायत सभी दूर जनहित ओर राष्ट्रहित के मुद्दे पर सकाम कार्य करने वाले ही राजनीतिक दल ही जनादेश पाकर सता की लंबी लंबी पारियां खेल सकेंगे!

अरविन्द रावल

समय बदला, पर जड़ों का सुकून अब भी वही

परंपरा की नदी: बहती, बदलती, पर अटूट

तकनीक की चमक में भी जीवित जड़ों की मिठास

आज की तेज और चकाचौंध भरी दुनिया में, जहाँ प्रगति की रोशनी हर दिशा को चमका रही है, वहीं मन के किसी गहरे कोने से एक कोमल पर शक्तिशाली पुकार उठती है–लौट आओ, अपनी जड़ों के सुकून में। यह पुकार केवल मिट्टी की सोंधी महक नहीं, बल्कि उन अमर मूल्यों, आदर्शों और रिश्तों की जीवंत ध्वनि है, जो हमें हमारी असली पहचान से दोबारा जोड़ती है, हमें भीतर से दृढ़ बनाती है और जीवन को संपूर्णता से भर देती है। संस्कृति का यह अपनापन किसी बंद पुस्तक का स्थिर पन्ना नहीं, बल्कि एक सतत धड़कती विरासत है, जिसमें अतीत की स्मृतियाँ वर्तमान के अनुभवों से घुल-मिलकर भविष्य की नींव रखती हैं। यह वह अदृश्य शक्ति है, जो जीवन के हर मोड़ पर हमें थाम लेती है–जैसे धरती की गहराई में उतरती जड़ें पेड़ को अडिग खड़ा रखती हैं, वैसे ही संस्कृति हमारे अस्तित्व को स्थिरता, पोषण और अर्थ देती है। यह हमें बार-बार अहसास कराती है कि हम किसी भीड़ का हिस्सा मात्र नहीं, बल्कि एक महान, विस्तृत और गौरवशाली परंपरा के संतान हैं–ऐसी विरासत के वाहक, जो समय बदलने पर भी सदियों से अटूट और अमर है। बचपन की उन सुनहरी स्मृतियों में जरा फिर से उतरकर देखिए–दादी की गोद में सुनाई गई वे पौराणिक कथाएँ, जिनमें जीवन के गूढ़ सत्य छिपे होते थे; त्योहारों की भोर में घर भर में दौड़ती-भागती वह उजली-सी खुशी; आरती की ज्योति के साथ फैलती वह पवित्र सुगंध, जो मन को अजीब-सी शांति से भर देती थी; माँ के हाथों से परोसा गया वह स्नेह-सिक्त भोजन, जो सिर्फ पेट ही नहीं, आत्मा तक को तृप्त कर देता था; पड़ोसियों के संग बैठकर बिताई वो खिलखिलाती शामें, जिनमें अपनत्व का अनकहा संगीत गूँजता था। ये स्मृतियाँ केवल बीते समय के दृश्य नहीं, बल्कि वे जादुई सूत्र हैं, जिन्होंने हमारे भीतर संवेदनाओं की मिट्टी को गूँथा, रिश्तों की गहराई को पनपाया, और मानवता की लौ को उजाला दिया। जीवन की रफ़्तार हमें दूर देशों तक ले गई, नए सपनों की तलाश में, नए आसमानों की ओर। पर दिल की उस नन्ही-सी कोठरी में, जो सदियों से वैसी ही है, जहाँ न बदलते मौसम दस्तक देते हैं न विदाई के क्षण, वहाँ संस्कृति की मधुर धुन हमेशा जगमगाती रहती है। विदेश की चमकती गलियों में जब कोई भारतीय त्योहार की रात माँ की याद में एक छोटा-सा दीप जलाता है, या अपने बच्चे को मातृभाषा का पहला मीठा शब्द सिखाता है, तो वह पल केवल क्रिया नहीं–अपनी जड़ों से आत्मा का पुनर्मिलन बन जाता है। यही है संस्कृति की असली शक्ति–दूरी को ध्वस्त कर देने वाली, दिलों को जोड़ देने वाली, और समय को भी अपने सामने झुकने पर मजबूर कर देने वाली। परंपराएँ कोई जड़ बनी हुई विरासत नहीं, बल्कि एक सजीव, प्रवाहित नदी की तरह होती हैं–जो समय के साथ अपना रूप बदलती हैं, नए रंगों को अपनाती हैं, और फिर भी अपने स्रोत से कभी अलग नहीं होतीं। नई पीढ़ी जब इन्हें छूती है, तो ये और भी उज्ज्वल होकर खिल उठती हैं।

आधुनिक परिधान में सजी युवती जब गणेशोत्सव पर श्रद्धा से पारंपरिक मूर्ति के सामने हाथ जोड़ती है, या अंग्रेज़ी के मिश्रण से भरी रोज़मर्रा की भाषा में भी 'माँ', 'घर', 'प्यार' जैसे शब्द अपनी पुरानी महक के साथ जीवंत रहते हैं–तब समझ आता है कि संस्कृति टूटती नहीं, बल्कि नए रूप में दमकती है। यही अद्भुत संगम–जड़ों की मजबूती और आधुनिकता के साहस का मेल–हमारी संस्कृति की अनोखी, अनुपम सुंदरता को जन्म देता है। लेकिन संस्कृति का सबसे प्रखर, सबसे धड़कता रूप हमारे रिश्तों में दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति 'मैं' को नहीं, 'हम' को अपना केंद्र मानती है। यहाँ परिवार सिर्फ संबंधों की परिभाषा नहीं, बल्कि भावनाओं का एक विस्तृत ब्रह्मांड है–बुआ का ममता भरा आलिंगन, मामा की खिलखिलाती शरारतें, चाचा की गंभीर सलाह, दादाजी की अनुभवों से भरी कहानियाँ, ननद की सहेली जैसी सहज मुस्कान, पड़ोसियों का हर सुख-दुख में साथ खड़ा रहना। यह प्रेम का विस्तार, यह रिश्तों का घेराव सिर्फ भारतीय मिट्टी की उपज है–जो हर दिल को जोड़ती है, हर अकेलेपन को पिघला देती है, और जीवन को गर्माहट से भर देती है। त्योहारों में संस्कृति का वह अपनापन अपनी चरम ऊँचाई पर पहुँच जाता है। रक्षाबंधन की राखी केवल धागा नहीं, बल्कि भाई-बहन के अनन्त विश्वास और सुरक्षा के वचन का सुगंधित प्रतीक है–एक ऐसा बंधन जो जीवन भर दिलों को साथ बाँधकर रखता है। होली के रंग सिर्फ चेहरे नहीं, मन के कोनों को भी उजाला देते हैं, मनमुटाव पिघला देते हैं और रिश्तों पर जमे धूल को धोकर नई ताजगी भर देते हैं। दिवाली का हर दीया केवल अंधेरा दूर नहीं करता, बल्कि मन की गहराइयों में छिपी आशा की लौ को भी उजला कर देता है। ये उत्सव हमें याद दिलाते हैं कि जीवन का सार अकेली सफलताओं में नहीं, बल्कि मिलकर जीने, बाँटने, और दिलों को जोड़ने में है। भले ही स्मार्टफोन की स्क्रीन कितनी ही चमकदार क्यों न हो, दिल के तार तो अब भी अपनी मिट्टी की महक से ही बँधे होते हैं। मंदिर की घंटियों की गंभीर, पवित्र ध्वनि सुनकर मन सहज ही झुक जाता है, और माँ के पारंपरिक गीत सुनते ही लगता है जैसे सदियाँ हमारे सामने फिर से जीवंत होकर खड़ी हो गई हों। संस्कृति का यह भावुक अपनापन हमारे भीतर एक शांत, निर्मल सरिता की तरह बहता है–जीवन की थकान सोख लेता है, टूटे मन को सँभाल लेता है, और व्यस्तता की दौड़ में भी हमें स्थिरता और सुकून देता रहता है।

यह हमें लगातार स्मरण कराता है कि उड़ान जितनी ऊँची हो जाए, जड़ें भीतर ही भीतर उतनी ही मज़बूती से हमें थामे रहती हैं–अटल, अविभाज्य, अमर। यह पुकार कोई बंधन नहीं, बल्कि प्रेम से भरा वह मधुर निमंत्रण है, जो हमें अपने मूल को पहचानने, अपनी मिट्टी को प्रणाम करने और अपने रिश्तों को हृदय से लगाने की ओर बुलाती है। संस्कृति हमें सिखाती है कि आगे बढ़ना जितना आवश्यक है, उतना ही महत्वपूर्ण है पीछे मुड़कर अपने स्रोत को महसूस करना। यही अपनापन 'हम' की शक्ति देता है, हर दिल को उसकी जड़ों से अटूट डोर में बाँधे रखता है।

प्रो. आरके जैन

संस्कृत की पाठशाला से न्यायपालिका के शिखर तक

जितनी चर्चा इन दिनों आगामी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की हो रही है उससे कुछ अधिक उनके पिता श्री मदन गोपाल शास्त्री की भी होनी चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत देश के आगामी प्रधान न्यायाधीश हैं और संभवतः ऐसे विलक्षण बेटे हैं जिन्होंने अपने पिता को सदा अपना मार्गदर्शक व प्रेरणास्रोत माना। हरियाणा के एक स्कूल में संस्कृत अध्यापक के पद पर अवकाश प्राप्ति तक सेवारत रहे श्री मदन गोपाल शास्त्री से निजी संबंधों पर मुझे तब भी गर्व था जब चंडीगढ़ के इंडियन कॉफी हाउस में हम दोनों कॉफी और वड़ा-सांभर का आनंद लेते थे। हमारी यह बैठकें केवल कॉफी के लिए नहीं होती थीं। चर्चाएं संस्कृत साहित्य और हरियाणवी सांग संस्कृति पर केंद्रित रहती थीं। प्रायः इन कॉफी बैठकों में श्री माधव कौशिक, प्रो. हरबंस, डॉ. विजेंद्र यादव की भी शिरकत हो जाती थी। मदन गोपाल लम्बी अवधि तक पंजाब (पुनर्गठन से पूर्व) संस्कृत अध्यापक संघ के अध्यक्ष भी रहे थे और गर्व से बताते कि वह उन बचे-खुचे लोक संस्कृति साधकों में से थे जिन्होंने प्रख्यात सांगी पंडित लखमीचंद से न केवल सांग सुने थे, बल्कि सांगों की लोकगाथाओं पर कई बार चर्चाएं भी की थीं। मदन गोपाल शास्त्री को उनके विशिष्ट साहित्यिक अवदान के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी व हरियाणा संस्कृत अकादमी द्वारा 'महाकवि सूरदास स्मृति सम्मान' और संस्कृति अकादमी की ओर से वरिष्ठ संस्कृत-सेवी सम्मान से अलंकृत किया गया था। मदन गोपाल से जुड़े कुछ अंतरंग संस्करण भी स्मृतियों में अब तक छाए हैं, जिन्हें याद करने का यही उपयुक्त समय है। हरियाणा साहित्य अकादमी (मेरे निदेशक काल में) का पहला साहित्यिक समारोह सिरसा में हुआ था और उसमें मुख्य अतिथि के रूप में मैंने तब के एडवोकेट जनरल सूर्यकांत को आमंत्रित किया था। श्री सूर्यकांत सबसे कम आयु के हरियाणा के एडवोकेट जनरल थे। उस प्रथम समारोह में प्रदेशभर से साहित्यकार आमंत्रित थे। मेरे लिए यह एक सुखद आश्चर्य यह भी था कि आमंत्रित साहित्यकारों में मुख्य अतिथि के पिताश्री मदन गोपाल शास्त्री भी शामिल थे। मुख्य अतिथि के साथ उनके संबंधों का सार्वजनिक खुलासा तब हुआ जब मंचासीन होने से पूर्व श्री सूर्यकांत ने उनके चरण छुए और आशीर्वाद लिया। वह आश्चर्य तब चरम तक पहुंच गया जब निदेशक के रूप में मैंने उस समारोह में मौजूद सर्वाधिक वयोवृद्ध लेखक श्री मदन गोपाल शास्त्री से आग्रह किया कि वह अकादमी की ओर से मुख्य अतिथि का स्वागत करें। एक बार वही चरण-स्पर्श की प्रक्रिया मंच पर दिखाई दी जब श्री शास्त्री ने सूर्यकांत को पुष्पगुच्छ भेंट किया और मुख्यातिथि ने मंच पर एक पिता के चरण छुए। मदन गोपाल बड़े गर्व से बताया करते, 'सूर्यकांत सहित सभी बेटों ने अपने-अपने घर में एक-एक कमरा मेरे व अपनी मां के लिए सुरक्षित किया हुआ है। हम जब भी किसी बेटे के पास जाते हैं अपना कमरा पूरी तरह से तैयार मिलता है।' शास्त्री जी के न्यायमूर्ति सूर्यकांत के अलावा एक पुत्र भिवानी में प्रख्यात चिकित्सक के रूप में कार्यरत हैं जबकि एक बेटे ने गांव की खेती भी सम्भाल रखी है। शास्त्री को अपने गृह गांव पेटवाड़ (हिसार) से गहरा लगाव था। उनका कहना था कि 'पेटवाड़' ही सूर्यकांत सहित उनकी सभी संतानों की जन्मू भूमि है। चारों बच्चों ने अपनी बाल्यावस्था की शिक्षा कैरोसिन-लैम्प की रोशनी में पूरी की थी क्योंकि तब बिजली का प्रचलन पूरी तरह से गांवों में नहीं हो पाया था। इसलिए मेरे बेटों को भी इस गांव की मिट्टी की सोंधी गंध से जुड़ाव है। सभी बेटों (सूर्यकांत सहित) की प्राथमिक शिक्षा भी इसी गांव में हुई थी। परंपरागत रूप से वह इसी गांव में हर वर्ष एक साहित्यकार या विद्वान शिक्षक को बुलाकर सम्मानित करते थे। एक बार उन्होंने मुझसे वहां आने का आग्रह किया और साथ ही यह भी कहा कि 'बेटा सूर्यकांत आपको स्वयं चंडीगढ़ से अपने साथ ससम्मान लेकर आएगा और मेरे लिए वह विशेष गर्व का क्षण था जब उन्होंने मंत्रोपचार के साथ गांव वालों की उपस्थिति में मेरा तिलक किया और संतानों को बारी-बारी से आशीर्वाद दिलाया। लोक संस्कृति व संस्कृत साहित्य को समर्पित हैं श्री मदन गोपाल शास्त्री की 18 विशिष्ट कृतियां। उन्हें वर्ष 2012 में वरिष्ठ संस्कृति विद्वान सम्मान व 2013 में महाकवि सूरदास सम्मान मिला था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत के बड़े भाई ऋषिकांत ने एक बार बताया था कि 'हमारे सूर्या ने कविताएं भी लिखीं थीं। कॉलेज समय में उनकी एक कविता 'मेढ़ पर मिट्टी चढ़ा दो' चर्चित भी रही थी। उन्होंने स्वयं भी स्वीकार किया था कि 'कॉलेज शिक्षा के मध्य अनेक कविताएं लिखी थीं। मगर पिता जी एक कविता-गुरु की तरह इतनी खिंचाई कर देते थे कि उन्हें कविता पढ़ने से पहले मुझे कविता में कई बार कटाई-छंटाई करनी होती थी।' न्यायमूर्ति सूर्यकांत के नाम अनेक 'प्रोफेशनल कीर्तिमान' भी हैं। वह लगभग 300 बैंच का एक हिस्सा बने और अनुच्छेद-370, बिहार 'एसआईआर' वन रैंक का पेंशन, पैगासस स्पाईवेयर, समानता व भ्रष्टाचार, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने आदि के निर्णय भी उनकी विशिष्ट उपलब्धियों में शामिल हैं। उनके बड़े भाई ऋषिकांत अब भी ग्रामीण अंचल का दामन थामे हुए हैं। वैसे वह भी पूर्व शिक्षक हैं और गर्व से एक बार बताते थे कि 'हमारे सूर्या ने भी और डॉक्टर शिवकांत ने खेतों में हल भी चलाए हैं। एक विशेष बात यह भी है कि हम भाइयों की सम्पत्तियां भी साझी हैं। अनेक निजी चर्चाओं के मध्य न्यायमूर्ति ने बताया था कि उन्हें गांव की मिट्टी की सोंधी गन्ध से बेहद लगाव है। गांव के तालाब के पुनर्निर्माण में भी चारों भाइयों का कुछ योगदान है। न्यायमूर्ति की धर्मपत्नी सविता को एक ही मलाल रहा कि वह पीएचडी नहीं कर पाई। बताती थीं कि 'पिता जी' (शास्त्री जी) की इच्छा थी कि मैं शिक्षा के क्षेत्र में जाऊं। दो बटियां भी हैं मगर पूरा परिवार इस बात का पूरा-पूरा ध्यान रखता है कि न्यायमूर्ति अपने परिवार के कारण भी किसी विवाद में न पड़ें। मदन गोपाल शास्त्री ने एक बार बताया था कि जब सूर्यकांत न्यायपालिका में प्रविष्ट हुए तो 'मैंने स्वयं सभी बेटों व परिवार के सदस्यों को बुलाकर सावधान किया था कि वे कभी भी किसी अनुचित कार्य के लिए न्यायमूर्ति सूर्यकांत के नाम का प्रयोग या उन पर कोई दबाव न डालें।' पारदर्शिता, स्पष्टवादिता और संतुलित एवं विचारशील जिंदगी इस संस्कृत अध्यापक के विशेष मंत्र थे जो उन्होंने न्यायमूर्ति सूर्यकांत व तीनों अन्य बेटों को दिए थे।

डॉ. चंद्र त्रिखा

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

तम्बौर नगर को मिलेगा स्टेडियम

तम्बौर, सीतापुर— तम्बौर नगर के निवासियों को जल्द ही खेल के बुनियादी ढांचे में एक बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। कार्यकारी अधिकारी (ईओ) अनूप कुमार राय ने आधिकारिक तौर पर एक नए स्टेडियम या खेल सुविधा के निर्माण की पुष्टि कर दी है। मीडिया से बात करते हुए, ईओ राय ने घोषणा की कि स्थानीय प्रशासन शहर में एक समर्पित खेल मैदान स्थापित करने की योजना पर आगे बढ़ रहा है।

ईओ राय ने बताया, 'खेल के मैदान के निर्माण के संबंध में हमें एक पत्र प्राप्त हुआ है, और हम वर्तमान में जमीन चिन्हित कर रहे हैं।' उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा, 'जल्द ही नगरवासियों को तोहफे के रूप में एक खेल का मैदान मिल जाएगा।' ईओ ने यह भी स्पष्ट किया कि इस विकास को वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने पुष्टि की कि आदरणीय जिलाधिकारी महोदय द्वारा भी एक खेल मैदान और एक पार्क स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। भूमि चिन्हित करने का काम चल रहा है, और उम्मीद है कि परियोजना पर विकास कार्य 'तुरंत ही' शुरू हो जाएगा।

संडीला में एकता यात्रा में भाजपाइयों ने दिखाई एकजुटता

संडीला। सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती पर भगवान बुद्ध इंटर कॉलेज से (रन फॉर यूनिटी) एकता यात्रा निकाली गई। इमलियाबाग में यात्रा सम्पन्न होने के बाद मल्हेरा में आयोजित जनसभा में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री व जिला प्रभारी शंकरलाल लोधी, विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, विशिष्ट अतिथि विधायक अलका अर्कवंशी, लोकसभा संयोजक व जिला उपाध्यक्ष कर्मवीर सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह, विधानसभा यात्रा प्रभारी स्वरूप नारायण अस्थाना, विधानसभा यात्रा संयोजक अतुल तिवारी, मल्हेरा मंडल अध्यक्ष सर्वेश राठौर, संडीला ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संजीव त्रिपाठी, वरिष्ठ भाजपा नेता विष्णु दयाल शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेत्री संतोष अस्थाना सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने भगवान बुद्ध कॉलेज से चलकर इमलिया बाग भुइयांन देवी में यात्रा सम्पन्न हुई। इसके बाद मल्हेरा में कुंवर वीरेंद्र सिंह के आवास पर जनसभा का आयोजन हुआ। जिसमें भाजपाइयों ने सरदार सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

रामलला के दर्शन को 210 श्रद्धालु रवाना

जनसेवा से समाजसेवी अजय सिंह आदित्य की प्रबल हो रही दावेदारी

सण्डीला। विधानसभा सण्डीला क्षेत्र से विधायक पद के प्रबल दावेदार अजय सिंह आदित्य ने भरावन से तीन बसों को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। भरावन के पत्थरताली व सिकंदरपुर से 210 यात्रियों को निशुल्क रामलला के दर्शन कराने के लिए तीन बसें रविवार को अतरौली चौराहा से हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई। यात्रा पर निकलते हुए श्रद्धालुओं ने रामलला के जयकारे के साथ समाजसेवी अजय सिंह आदित्य को धन्यवाद दिया। यात्री विशंभर शर्मा ने कहा कि जनसेवा से समाजसेवी अजय सिंह आदित्य जनता के दिलों में धड़क रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में विधायक पद के लिए वह प्रबल दावेदार हैं। रामऔतार मौर्य ने कहा कि प्रभु रामलला से कामना करेंगे कि अजय सिंह आदित्य को विधायक के रूप में सेवा का अवसर दें। उन्होंने लाखों भक्तों को कुम्भ स्नान व रामलला के दर्शन कराए हैं। इस दौरान गोविंद बाजपेई, अरविंद बाजपेई, अजय गुप्ता, ज्ञानेंद्र सिंह राठौर, संतोष मौर्या, संजय मौर्य, आकाश सिंह, विश्वनाथ सिंह, राजेश, शिवकुमार, रमाकांत तिवारी, कालिका गौतम, कुसुमा अर्कवंशी, सुनीता, हरिहर सिंह मौजूद रहे।

दिल्ली ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार डॉक्टरों के सभी मरीजों की निष्पक्ष जांच की मांग- राजपुरोहित मधुर

● .....चिकित्सा व्यवस्था व सुरक्षा तंत्र पर उठे सवाल, अस्पतालों का राष्ट्रीय सुरक्षा आधारित ऑडिट अनिवार्य करने की अपील।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े प्रकरण में डॉक्टरों की गिरफ्तारी ने स्वास्थ्य व्यवस्था और सुरक्षा तंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस पूरे प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए राजपुरोहित मधुर जी ने कहा कि जिन डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया है, उनके द्वारा अब तक इलाज किए गए सभी मरीजों के रिकॉर्ड की विस्तृत, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि समीक्षा के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं किसी विशेष वर्ग–विशेषकर हिंदू परिवारों–को चुनकर नुकसान पहुंचाने जैसा कोई संदेहजनक पैटर्न तो सामने नहीं आता।

राजपुरोहित मधुर जी ने भारत सरकार और केंद्रीय गृहमंत्री से अपील करते हुए कहा कि इस मामले में कठोर और तथ्य आधारित जांच आवश्यक है, ताकि तथ्य स्पष्ट रूप से सामने आ सकें। इसके साथ ही उन्होंने देशभर के अस्पतालों, निजी क्लीनिकों और अन्य चिकित्सा संस्थानों का राष्ट्रीय सुरक्षा आधारित ऑडिट अनिवार्य करने की मांग की, ताकि किसी भी प्रकार की संभावित लापरवाही या कुप्रबंधन को समय रहते रोका जा सके।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों की पृष्ठभूमि, गतिविधियों और संपर्कों की

नियमित जांच होना समय की जरूरत है, जिससे प्रणाली पर समाज का भरोसा मजबूत रहे। मधुर जी ने संत-समाज और सामाजिक संगठनों से भी हिंदू समुदाय को जागरूक करने की अपील की। उनके शब्दों में, 'वेश, पद और पेशे की आड़ में छिपे तत्वों से सतर्क रहना समय की मांग है।

गन्ना क्रय केंद्र पर किसानों से गन्ना उतराई के नाम पर रुपया वसूलने की शिकायत को लेकर शुभम रस्तोगी ने जताया विरोध

बिसवां/सीतापुर जिला अधिकारी राजा गणपति आर के आदेश के बावजूद कुछ गन्ना क्रय केंद्र पर किसानों से गन्ना उतराई के नाम पर रुपये वसूलने की शिकायत पर सपा नेता शुभम रस्तोगी ने विरोध जताया है। सपा नेता शुभम रस्तोगी ने मौके पर पहुंच कर जिला गन्ना अधिकारी सीतापुर को फोन कर बताया की दि सेकसरिया बिसवां शुगर फैक्ट्री का गन्ना क्रय केंद्र गांव अरुवा में लगा है। केंद्र पर गन्ना उतराई के नाम पर किसानों से 50 रुपये रुपये वसूले जा रहे हैं। इससे किसान परेशान हैं। शुभम रस्तोगी ने जिला गन्ना अधिकारी से डीएम के आदेश को न मानकर मनमानी करने वालों पर जांच और कार्रवाई की मांग की।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर जे0पी0ए0 ने आयोजित की बैठक

● जे0पी0ए0 के संरक्षक सदस्य बने प्रभाकर प्रहाराज।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस के अवसर पर रविवार को राजधानी के चिनहट क्षेत्र अंतर्गत एक निजी प्रतिष्ठान में जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन (रजिश्र) संगठन उत्तर प्रदेश द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ में संगठन की बैठक भी हुई। संगठन द्वारा पत्रकारों की स्थिति एवं उनके साथ होने वाली घटनाओं तथा सामाजिक व्यवहार के विषय में वृहद स्तर पर चर्चा की गई। इस अवसर पर जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन के नवनियुक्त संरक्षक सदस्य प्रभाकर प्रहराज का अंग वस्त्र देकर तथा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। रविवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर प्रभाकर प्रहराज को संगठन के सभी संरक्षक सदस्य पदाधिकारी तथा सदस्यों ने गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। संगठन के अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह ने कहा कि पत्रकारों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पत्रकारों की हर स्तर पर रक्षा सुरक्षा एवं सहायता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सभी पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए पत्रकार को सत्य का आईना बताया। इस मौके पर जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन संगठन के संरक्षक जोगिंदर सिंह खालसा, शिव शंकर मिश्रा, अशोक यादव, अमित राज यादव, विवेक विश्व पांडे, तथा पदाधिकारी उपाध्यक्ष रवि जयसवाल कोषाध्यक्ष एवं विधि सलाहकार नरसिंह नारायण पांडे, मोहम्मद इकबाल, मंसूर अहमद, सौरभ निगम, दीपक सिंह,राम यादव, विजय शंकर दुबे, धनीश श्रीवास्तव, प्रवीण सिंह, रंजीत सिंह, प्रियंका, रोशनी, पूर्णिमा, सनी शाह, विनोद सिंह, सनी, मुजम्मिल, समेत भारी संख्या में जर्नलिस्ट प्रोटक्शन एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एस0आर0 इंटरनेशनल स्पोर्ट्स एकेडमी एस0आर0 मेमोरियल बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2025 का हुआ आयोजन

● एस0आर0 इंटरनेशनल स्पोर्ट्स एकेडमी एस0आर0 मेमोरियल बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2025 का हुआ आयोजन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बीकेटी एस0आर0 इंटरनेशनल स्पोर्ट्स एकेडमी, लखनऊ में दूसरा 3 एक्स 3 एस आर मेमोरियल बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2025 का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में 72 से अधिक स्कूलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। टूर्नामेंट का उद्घाटन 15 नवंबर 2025 को एस आर समूह के चेयरमैन एमएलसी पवन सिंह चौहान एवं समापन वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान और वाईस चेयरपर्सन डॉ सुष्मिता सिंह चौहान ने किया। फाइनल मैच में डीपीएस एल्डेको गर्ल्स, राज कुमार अकेडमी, लक्ष्य अकेडमी और नेट रैपर्स ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंत में, विजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए गए और समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए, चेयरमैन पवन सिंह चौहान ने कहा, बास्केटबॉल एक ऐसा खेल है जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक विकास और टीम वर्क को भी प्रोत्साहित करता है। हमें गर्व है कि एसआर इंटरनेशनल स्पोर्ट्स एकेडमी इस तरह के आयोजन का हिस्सा बन रही है।

महिलाओं को अपनी साफ सफाई और स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने की आवश्यकता है:- डॉ0 विनीत गुप्ता

बिसवां सीतापुर इनरव्हील क्लब बिसवां द्वारा ग्राम महाराजनगर में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में महिलाओं को संबोधित करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीता गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को अपनी साफ-सफाई और स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने की आवश्यकता है। स्वच्छता की कमी से होने वाली आम बीमारियों को समय रहते रोककर स्वस्थ जीवनशैली अपनाई जा सकती है। शिविर में सीएचसी टीम के साथ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. लव मिश्रा, दंत चिकित्सक डॉ. सुरभि मिश्रा तथा अन्य चिकित्सा दल ने रोग परीक्षण, रक्त जांच और शुगर जांच की सेवाएं प्रदान कीं। लाभार्थियों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। इस कार्यक्रम का आयोजन इनरव्हील क्लब बिसवां के तत्वाधान में किया गया। मौके पर क्लब की अध्यक्ष गुरमीत कौर, समाजसेवी सलिल सेठ, गुंजन सेठ, एकता गुप्ता, शिवानी अग्रवाल सहित क्लब की अन्य पदाधिकारी मौजूद रहीं।

दस दिन बिना बैग के स्कूल जायेंगे बच्चे

● खेल-खेल में सीखेंगे कौशल विकास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ– उत्तर प्रदेश के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा छह से आठ तक के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक सुधार लागू किया गया है। अब पूरे शैक्षणिक सत्र में निर्धारित 10 दिन छात्र बिना स्कूल बैग या बस्ते के विद्यालय जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत लागू की गई इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य बच्चों पर किताबों का बोझ कम करना और उन्हें तनावमुक्त तथा रचनात्मक वातावरण में कौशल विकास के अवसर प्रदान करना है।

खेलकूद और गतिविधियों पर रहेगा ज़ोर

स्कूल शिक्षा महानिदेशक (डीजीएसई) मोनिका रानी के निर्देशों के अनुसार, इन 'बस्ता-मुक्त दिवसों' के दौरान बच्चों को पारंपरिक पढ़ाई से अलग हटकर गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। इन दिनों में मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे: कौशल संवर्धन: स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और व्यावसायिक जानकारों के साथ इंटर्नशिप/मुलाकात के ज़रिए छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और कौशल से जोड़ा जाएगा।

आनंदमय शिक्षा: राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा परिषदीय उच्च प्राथमिक, कंपोजिट और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) के बच्चों के लिए विशेष 'आनंदम मार्गदर्शिका' विकसित की गई है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को खुशी भरे वातावरण में सीखने का अनुभव मिलेगा। सामुदायिक भागीदारी: बच्चों को अपने गाँव, तहसील, जिले या प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। शारीरिक गतिविधियाँ: तनावमुक्त माहौल में खेलकूद प्रतियोगिताओं और कला एवं शिल्प (आर्ट एंड क्राफ्ट) जैसी गतिविधियों पर ज़ोर रहेगा।

क्यों शुरू हुआ 'बस्ता-मुक्त दिवस'?

यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की उस सिफ़ारिश का हिस्सा है, जिसमें शिक्षा को समग्र, अनुभव आधारित और व्यावसायिक शिक्षा पर केंद्रित करने पर ज़ोर दिया गया है। इन 10 दिनों में बच्चों को किताबी ज्ञान से इतर सोचने और समझने, विभिन्न गतिविधियों से कुशल बनने और सामाजिक कौशल सीखने का अवसर मिलेगा। यह व्यवस्था उन सरकारी विद्यालयों में शुरू हो गई है, जहाँ यह शुरू नहीं हो सकी है, वहाँ अगले शनिवार से इसे प्रभावी बनाया जाएगा। शिक्षा विभाग का मानना है कि 'बस्ता-मुक्त दिवस' बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए भी प्रेरित करेगा। यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत लागू की गई है और इसका उद्देश्य शिक्षा को बोझ मुक्त बनाना है।

रास्ते के विवाद को लेकर दबंगों का हमला बरसाए लाठी डंडे धारदार हथियार से किया वार, पिता-पुत्र सहित चार लोग घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के खैराबाद थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव में रास्ते में बह रहे नाली के पानी के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच शनिवार देर रात मारपीट हो गई। आरोप है कि गांव के ही पारस और उसके चार बेटों ने पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसियों पर धारदार हथियारों से हमला बोल दिया इस हमले में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत नाजुक बनी हुई है। सभी घायलों को पुलिस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो को गंभीर स्थिति देखते हुए विशेष निगरानी में रखा है। घायलों की पहचान अवधेश, रामसिंह, जयराम और मोहित के रूप में हुई है। घटना के समय ये सभी ग्राम समाज के रास्ते पर जमा हुए विवाद को शांत कराने की कोशिश कर रहे थे, तभी आरोपी पक्ष ने अचानक हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों के साथ-साथ धारदार हथियार का भी इस्तेमाल किया, जिससे सभी घायल खून से लथपथ हो गए शोरगुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह हमलावरों को खदेड़ा और पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही खैराबाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने देर रात तक घटनास्थल का निरीक्षण कर गवाहों के बयान दर्ज किए। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर आरोपी पारस तथा उसके चार बेटों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों के अनुसार रास्ते को लेकर पिछले लंबे समय से दोनों

पक्षों में तनातनी चली आ रही थी। कई बार पंचायत में बात रखी गई, लेकिन समाधान नहीं निकल सका पुलिस का कहना है कि इस मामले में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है, वहीं पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से गांव में गश्त बढ़ा दी है!!

UP 34 प्रीमियर लीग में अनसोल्ड खिलाड़ियों का स्पेशल मुकाबला, सागर स्ट्राइकर बनी चैंपियन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। UP 34 प्रीमियर लीग के सफल आयोजन के बीच रविवार सुबह 9 बजे को उन खिलाड़ियों के लिए एक विशेष मैच आयोजित किया गया जो नीलामी में अनसोल्ड रह गए थे या पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं पा सके थे। आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों को मंच देने की इस पहल की हर तरफ सराहना हो रही है।

चार टीमों ने लिया हिस्सा, सागर स्ट्राइकर और अविरल इलेवन पहुंचे फाइनल

स्पेशल मैच में कुल चार टीमों ने हिस्सा लिया सागर स्ट्राइकर, सोरो मोबाइल, सी-कोज़ा इलेवन और अविरल इलेवन। पहले मुकाबले में सागर स्ट्राइकर ने सोरो मोबाइल को हराकर फाइनल में जगह बनाई। संजय यादव ने शानदार 31 रन और 2 विकेट लिए, जबकि रामचरित्र ने मात्र 3 रन देकर 5 विकेट झटके और मैच के हीरो बने। दूसरा मुकाबला सी-कोज़ा इलेवन और अविरल इलेवन के बीच खेला गया। सी-कोज़ा ने 62 रन बनाए और अविरल को 63 रन का लक्ष्य दिया। अविरल की ओर से नितिन सिंह 'नीशू' ने 34 रन और 1 विकेट, जबकि आशुतोष ने 18 रन और 1 विकेट लेकर टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचाया। अविरल इलेवन जीत के साथ फाइनल में पहुंचा।

फाइनल में सागर स्ट्राइकर का शानदार प्रदर्शन

फाइनल मुकाबला सागर स्ट्राइकर और अविरल इलेवन के बीच खेला गया। सागर स्ट्राइकर ने पहले खेलते हुए 86 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में अविरल इलेवन लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। सागर स्ट्राइकर की ओर से संजय यादव ने 56 रनों की दमदार पारी खेली और उन्हें फाइनल का मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

खिलाड़ियों को मंच देने की पहल सराहनीय

टूर्नामेंट में मौका न पाने वाले खिलाड़ियों को अतिरिक्त मैच में खेलने का अवसर देना आयोजन समिति की सकारात्मक सोच को दर्शाता है। खिलाड़ियों में उत्साह देखने लायक था और मैच देखने पहुंचे दर्शकों ने भी इस पहल की खूब सराहना की।

क्विज प्रतियोगिता में अव्वल आए दो दर्जन बच्चों को मंडल अध्यक्ष ने किया सम्मानित

लखनऊ: बीते गुरुवार को माल क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक विद्यालय में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय,तृतीय आए बच्चों को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए मंडल अध्यक्ष नेकपाल यादव ने स्वागत कर मेडल देकर सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि,चार दिन पूर्व गुरुवार को क्षेत्र के आठ विद्यालय गहदो स्थित जेएमएस पब्लिक स्कूल, चंद्रशेखर आजाद इंटर कॉलेज,गोडवा स्थित गोडवा बरौकी इंटर कॉलेज, थरी स्थित राजकीय विद्यालय, पी एन डी पब्लिक स्कूल,गोपालपुर स्थित एसडीपी विद्या मंदिर , शहीद भगत सिंह स्कूल , एसएस पब्लिक स्कूल आदि में क्विज प्रतियोगिता करवाई गई थी। आठों विद्यालय से प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दो दर्जन विद्यार्थियों को वीरांगना उदा देवी पासी की जयंती पर एस आर मंगलम शिक्षण संस्थान के प्रबंधक इंजीनियर संजय कुमार रावत के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। अव्वल आएं 24 छात्र छात्राओं को संस्थान के द्वारा निःशुल्क कंप्यूटर कोचिंग, लाइब्रेरी, इंटरमीडिएट की सुविधा दी गई। जिसकी मंडल अध्यक्ष ने सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कूटरचित दस्तावेज तैयार करवाकर जमीन की अपने नाम

● ..तत्कालीन तहसीलदार वंदना कुशवाहा सहित आधा दर्जन पर मुकदमा दर्ज।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। भूमि पर अवैध कब्जा करने और फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इनमें तत्कालीन तहसीलदार वंदना कुशवाहा भी शामिल हैं यह कार्रवाई पीड़ित अभिमन्यु कुमार सिंह की शिकायत पर की गई है जिन्होंने पुलिस उपायुक्त उत्तरी को तहरीर दी थी।

शिकायतकर्ता अभिमन्यु कुमार सिंह के अनुसार उन्होंने बिशुनपुर स्थित गाटा संख्या 93 0.202 हेक्टेयर जमीन वर्ष 2014 में विधिवत पंजीकृत बैनामे के तहत खरीदी थी। राजस्व अभिलेखों में भी वर्ष 2018 में इसका नामांतरण उनके नाम पर हो गया था और जमीन उनके कब्जे में थी।आरोप है कि करीब दस साल बाद आरोपी अहमद अली, उनकी पत्नी शकी निशां निवासी आंट गढ़ी सौंरा माल,सुमित्रा पत्नी बैजनाथ, अहमदपुर मजरा करेंद्र माल, कृष्ण कुमार अहमदपुर मजरा करेंद्र माल, तत्कालीन लेखपाल बिशुनपुर माल और तत्कालीन तहसीलदार वंदना कुशवाहा की मिलीभगत से उसी जमीन का आधा हिस्सा फर्जी तरीके से दोबारा बेच दिया गया।

पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने दस्तावेजों की कूटरचना कर अवैध रूप से दाखिल खारिज भी करा लिया। जब उन्होंने इस धोखाधड़ी का विरोध किया तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।डीसीपी गोपाल कृष्ण चौधरी के आदेश पर मलिहाबाद पुलिस ने इस मामले में धोखाधड़ी, कूटरचना और धमकी से संबंधित गंभीर धाराओं 420, 466, 467, 468, 471 और 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और तथ्यों के सामने आने पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बोलेरो पिकअप से 45 लीटर अवैध शराब बरामद, एक गिरफ्तार

श्रीरामपुर पुलिस की कार्रवाई, 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पकड़ा गया तस्कर

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत श्रीरामपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो पिकअप से 45 लीटर अवैध देशी शराब बरामद की है। वाहन संख्या UP52BT1993 में छुपाकर बिहार ले जाई जा रही 5 पेटी शराब पकड़ी गई। घटना टोला अहिबरन राय बंकुल मार्ग के पास चेकिंग के दौरान सामने आई। पुलिस ने मौके से नसीब अंसारी, निवासी गोपालगंज (बिहार) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने वाहन और शराब कब्जे में लेकर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती समारोह का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां, सीतापुर राष्ट्रीयता और कौमी एकता के प्रतीक लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह का आयोजन सेठ दयाल इंटर कॉलेज सभागार में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विशाल सक्सेना लेफ्टिनेंट एनसीसी ने उपस्थित जन सैलाब को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम शिक्षा प्राप्त करेंगे तभी लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की सभी बातों का अच्छी तरह से अनुसरण कर पाएंगे। सरदार पटेल का जीवन और कार्य हमें सिखाता है कि एकता में शक्ति है, और हमारा देश एकता के बिना नहीं चल सकता। विशिष्ट अतिथि शकील अहमद अंसारी प्रधानाचार्य ने शानदार कार्यक्रम के लिए आयोजक वरिष्ठ पत्रकार सिराज अहमद के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन से हमें एकता दृढ़ता एवं देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। श्रीकांत प्रवक्ता इतिहास ने कहा कि सरदार पटेल ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सफल संचालन कर रहे मकसूद अली आजाद प्रवक्ता अंग्रेजी ने कहा कि महात्मा गांधी के साथ मिलकर स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया और देश को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मकसूद अली आजाद ने सिराज टाइम्स अखबार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजनों से देशभक्ति का जज्बा पैदा होता है। अजीत आर्य ने कहा कि सरदार पटेल की जयंती पर, हम राष्ट्रीयता की भावना को भी याद करते हैं।

मुफ्ती सुहेल कासमी, मौलाना फहीम जामई, डा0 अहमद अली अंसारी, उप संपादक वहाजुद्दीन ग़ौरी आदि वक्ताओं ने अपने ओजस्वी भाषण से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। अंत में कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ पत्रकार सिराज अहमद ने आगुंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल की जयंती पर, हम गंगा-जमुनी तहज़ीब को भी याद करते हैं। यह तहज़ीब हमें सिखाती है कि कैसे दो अलग-अलग संस्कृतियों को मिलाकर एक नई संस्कृति बनाई जा सकती है। कार्यक्रम में हाल ही में हुए दिल्ली ब्लास्ट मामले को लेकर मज़म्मत व श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभी अतिथिगण का बैज अलंकरण एवं माल्यार्पण से स्वागत किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं को उपहार से नवाजा गया। बता दें कि उक्त आयोजन हिंदी दैनिक अखबार सिराज टाइम्स के बैनर तले आयोजित हुआ। पत्रकार अलमास अंसारी व मो0 अजीम को भी सम्मानित किया गया।

उक्त अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार, शिक्षक- शिक्षिकाएं, छात्र एवं छात्राएं, अधिवक्तागण, समाजसेवी एवं साहित्यकार उपस्थित रहे।

AIMIM के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर औरंगाबाद में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

सीतापुर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी साहब, प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली साहब तथा सेंट्रल प्रदेश अध्यक्ष शेख ताहिर सिद्दीक़ी साहब के आदेशानुसार आज मिश्रिख विधानसभा क्षेत्र के औरंगाबाद में AIMIM पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता AIMIM ज़िला अध्यक्ष जनाब नियाज़ हुसैन ने की, जबकि संचालन एवं नेतृत्व विधानसभा अध्यक्ष अमीक खान ने संभाला। कार्यक्रम में परसपुर ग्राम सभा अध्यक्ष सबीर अंसारी, विधानसभा मिश्रिख सचिव एराज़ अली, ग्राम सभा औरंगाबाद अध्यक्ष रशीद अहमद, रिनू साहब बेग, ज़िला सचिव शब्बू खान, कोषाध्यक्ष यासीन खान, ज़िला सचिव कलाम मिर्ज़ा तथा विधानसभा सीतापुर संगठन मंत्री अकबर खान सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को ध्यान में रखते हुए संगठन को और अधिक मज़बूत करने, नए सदस्यों को जोड़ने तथा बूथ स्तर पर संरचना को सक्रिय बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने सपा एवं बसपा छोड़कर AIMIM की सदस्यता ग्रहण की, जिससे पार्टी को मिश्रिख विधानसभा क्षेत्र में बड़ी मज़बूती मिली। सभी पदाधिकारियों ने मिलकर क्षेत्र में AIMIM को मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

संक्षिप्त खबरें

कोर्ट के आदेश पर भी नहीं हट रहा अतिक्रमण, की गई शिकायत

लालगंज, प्रतापगढ़। बंजर जमीन पर किया गया अतिक्रमण कोर्ट के आदेश के बावजूद खाली नहीं कराया जा सका। अतिक्रमण से बनी समस्या के चलते मामले की शिकायत तहसीलदार से की गयी है। पूरे बहादुर गांव निवासी रवीन्द्र भूषण मिश्र पुत्र रामकिशोर मिश्र ने शनिवार को तहसीलदार को दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र मे कहा है कि ग्राम पंचायत में बंजर भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटवाने को लेकर कोर्ट के आदेश के बावजूद अभी तक आरोपी ने अतिक्रमण नही हटाया है। कोर्ट द्वारा निर्धारित समय के बावजूद यथास्थिति बनी हुई है। शिकायतकर्ता ने शिकायती पत्र के जरिये कहा है कि आदेश के बावजूद अतिक्रमणी रामराज व अन्य द्वारा बंजर भूमि को खाली न करके बेखौफी से काबिज है। शिकायतकर्ता ने अतिक्रमण हटवाकर भूमि को अवमुक्त कराने की मांग की है।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा 04 वारण्टी अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

प्रतापगढ़।थाना लालगंज के उप निरीक्षक ज्ञान चन्द्र तिवारी मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/ तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान मु0नं0 1346/25 अ0 सं0 458/21 धारा 147,504,506,427 भादवि थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित 03 नफर वारण्टी अभियुक्तों जीतलाल पुत्र मिठ्ठलाल, प्रवेश पुत्र जीतलाल व कृष्ण कुमार पुत्र मेवालाल निवासी गण मिश्राइनपुर गोविन्दपुर थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ को उनके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।थाना लालगंज के उप निरीक्षक विवेक यादव मय हमराह का ऋषिकान्त इन्दौरिया,का0 सुमित कुमार द्वारा तलाश वारण्टी अभियुक्त के दौरान मु0नं0 483/25 अ0सं0 550/19 धारा 147, 148, 149,452,427, 323,504,506,325 भादवि थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त रामभुवन पुत्र बुधई निवासी विश्राम का पुरवां जेवई थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

शराब हुई बरामद, आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने रविवार की सुबह गश्त के दौरान पांच लीटर अवैध शराब बरामद किया। कोतवाली लालगंज के दरोगा भुवाल सिंह यादव फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। पूरे फत्ते गांव के लोनी नदी के समीप संदिग्ध पुलिस को देखकर भागने लगा।पुलिस ने उसे पीछा कर दबोच लिया। पकड़ गये आरोपी वंशी लाल सरोज के पास से पुलिस ने पिपिया में पांच लीटर अवैध देशी शराब बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम केस दर्ज किया है। आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया।

थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर द्वारा अपराधिक क्रिया कलापों में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली देहात के उप निरीक्षक अवधेश सिंह मय हमराह हे0 का0 रामबचन यादव व का0 प्रवीन कुमार द्वारा तलाश वांछित अभियुक्त के दौरान न्यायालय अपर सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कोर्ट नं0 31 जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित एक वारण्टी मो0 तालिब पुत्र अदुल गफ्फार नि0 कटरा मेंदनीगंज (अवनपुर) थाना कोतावली देहात जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

थाना लीलापुर पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना लीलापुर के उप निरीक्षक प्रशान्त कुमार मय हमराह द्वारा वारण्टी अभियुक्त के दौरान मु0सं0 1946/23 धारा 31 धरेलू हिंसा थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित एक वारण्टी अभियुक्त संदीप वर्मा पुत्र राम कृपाल वर्मा निवासी ग्राम बरदैत थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

ट्रंप प्रशासन ला रहा नई इमिग्रेशन पॉलिसी, ट्रैवल बैन वाले देशों के लोगों के लिए ग्रीन कार्ड मुश्किल

● ट्रम्प प्रशासन की प्रस्तावित नई इमिग्रेशन नीति को कानूनी इमिग्रेशन पर एक बड़ा हमला बताया जा रहा है, जो ट्रैवल बैन वाले देशों के नागरिकों के लिए ग्रीन कार्ड और शरण जैसे लाभों को लगभग असंभव बना देगी। आलोचकों का कहना है कि यह पॉलिसी लोगों को उनकी सरकारों की कमियों के लिए गलत तरीके से सजा देगी और कानूनी तौर पर कमजोर हो सकती है, जिससे इनकार के मामले बढ़ेंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी प्रशासन एक नई इमिग्रेशन नीति बनाने पर काम कर रहा है। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के अंदरूनी दस्तावेजों के अनुसार, यह नई पॉलिसी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मौजूदा ट्रैवल बैन के तहत आने वाले देशों के नागरिकों के लिए ग्रीन कार्ड और अन्य इमिग्रेशन लाभों को पाना बेहद मुश्किल बना सकती है।

नई पॉलिसी में क्या होगा बदलाव?

नई ड्राफ्ट इमिग्रेशन पॉलिसी के तहत, यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (USCIS) को निर्देश दिया जाएगा कि ट्रैवल बैन से जुड़े 'देश-विशिष्ट कारकों' को इमिग्रेशन आवेदनों की जांच करते समय बहुत बड़ा नकारात्मक कारक माना जाए। इस बदलाव का सीधा असर ग्रीन कार्ड, शरण (Asylum), पैरोल और कुछ अन्य लाभों के आवेदनों पर पड़ेगा, हालांकि यह नागरिकता के आवेदनों पर लागू नहीं होगा।

USCIS के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी डग रैंड ने इस कदम को 'एक बड़ा बदलाव' बताते हुए इसे कानूनी इमिग्रेशन पर ट्रम्प प्रशासन के हमले का एक और उदाहरण बताया है।

ट्रैवल बैन लिस्ट में कौन से देश शामिल हैं?

जून में जारी ट्रैवल बैन लिस्ट में ज्यादातर अफ्रीका और मिडिल ईस्ट के 12 देशों के नागरिकों का अमेरिका में आना प्रतिबंधित है। इनमें अफगानिस्तान, ईरान, सोमालिया, सूडान, यमन जैसे देश शामिल हैं। अन्य सात देशों (जैसे क्यूबा और वेनेजुएला) पर भी कुछ पाबंदियां हैं।

आलोचकों का कहना है कि यह नई पॉलिसी लोगों को उनकी अपनी सरकारों की कमियों के लिए गलत तरीके से सजा देगी। पूर्व USCIS एनालिस्ट सारा पियर्स ने कहा कि इस नीति से इनकार के मामले बढ़ेंगे, और यह उन लोगों पर भी लागू होगी जो पहले से अमेरिका में हैं, जिससे यह कानूनी तौर पर ज्यादा कमजोर हो जाती है।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर एसडीएम से की गयी शिकायत

लालगंज, प्रतापगढ़। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम को शिकायती पत्र दिया है। लालगंज विकास खंड के रंगौली के ग्रामीणों ने एसडीएम को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि बीते शुक्रवार की रात दबंगो ने सार्वजनिक रास्ते के लिए अवांटित सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण कर लिया। शिकायती पत्र में कहा गया है कि दबंगों के साथ दूसरे गांव के भी लोग अतिक्रमण की कार्यवाई में शमिल है। ग्राम प्रधान दिनेश बहादुर सिंह , मनोज कुमार, श्यामलाल वर्मा, संतराम वर्मा, रमाशंकर सिंह आदि ने एसडीएम से सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाई की मांग की है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने राजस्व एवं पुलिस टीम का गठन कर अतिक्रमण को हटवाये जाने के कड़े निर्देश दिये है।

सरीला तहसील के इछौरा-जिटकिरी क्षेत्र में अवैध बालू खनन चरम पर, ग्रामीणों में रोष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर। सरीला तहसील के इछौरा और जिटकिरी ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध बालू खनन बेखौफ जारी है। लगभग आधा दर्जन से अधिक बालू खदानों में पोकलैंड जैसी भारी मशीनों से दिन-रात बालू उत्खनन किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा खेल प्रशासन और खनिज विभाग की मिलीभगत से संचालित हो रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार खनन माफिया खनन पट्टे का दुरुपयोग कर मनमाने ढंग से नदी की जलधारा से बालू निकाल रहे हैं। इछौरा निवासी गौकरन व माधव प्रसाद ने इस संबंध में प्रशासन को लिखित शिकायत भी सौंपी है। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक खदान संख्या 25/6, 25/2, 25/22, 25/20, 25/9 और 25/3 पर पोकलैंड मशीनें लगाकर बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि माफिया जबरन उनके खेतों से रास्ता बनाकर

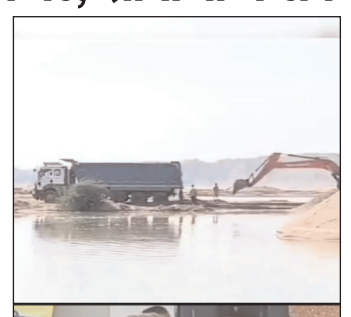

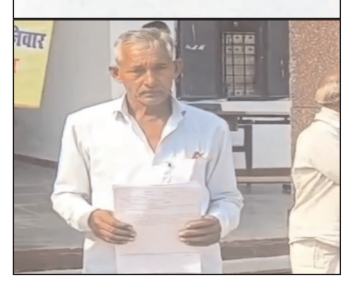

ओवरलोड ट्रकों की निकासी करते हैं। सैकड़ों की संख्या में बिना वैध प्रपत्रों के ट्रक दिनभर सड़कों पर दौड़ते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। लगातार ओवरलोडिंग के कारण क्षेत्र की मुख्य सड़कें भी जर्जर हो चुकी हैं।

विरोध करने पर ग्रामीणों को पुलिस के सहारे फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकियां दी जाती हैं। मामले को लेकर बढ़ती शिकायतों के बीच प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

अवध आई केयर सेंटर का डॉ प्रखर चौधरी ने फीता काट कर किया शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलीहाबाद। रहीमाबाद में रविवार को औरास रोड बस अड्डा मतीन मार्केट रहीमाबाद में अवध आई केयर सेंटर का उद्घाटन हुआ, जिसका उद्घाटन डॉ प्रखर चौधरी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। डॉक्टर ने कहा कि अवध आई केयर सेंटर खुल जाने से आस पास के नेत्र रोगियों को बहुत राहत मिलेगी। सामान्य नेत्र जांच के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। डॉ प्रखर चौधरी ने बताया यह संस्था से हम सब भी जुड़े हुए हैं। काफी अच्छा इलाज होगा।

अवध आई केयर सेंटर के प्रबंधक डॉक्टर इस्लामुद्दीन ने बताया कि इस केन्द्र के माध्यम से हम रहीमाबाद और आस पास क्षेत्र के लोगों को सेवा प्रदान करेंगे। जिनको ऑपरेशन की आवश्यकता होगी और उनके पास आयुष्मान कार्ड होगा तो हमारे हॉस्पिटल की गाड़ी निःशुल्क लेकर जाएगी और ऑपरेशन के बाद वापस छोड़ देगी, जिससे आस पास के नेत्र रोगियों को अब प्राथमिक उपचार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उद्घाटन के साथ 159 नेत्र मरीज को देखा गया जिसमें 40 लोगों को मोतियाबिंद निकला जिनका इलाज व गाड़ी से फ्री भेजा जाएगा।

सुविधा– अवध हाई केयर सेंटर में अनेकों सुविधा प्राप्त होगी जैसे कंप्यूटर द्वारा चश्मे की जांच, मोतियाबिंदु का ऑपरेशन, बिना टांका विदेशी फोल्डेबिल लेंस, सम्बल बाई (काला मोतिया) ,जांच एवं ऑपरेशन, पर्दे की बीमारी का इलाज, नाखून का इलाज, गिरी हुई पालक का ऑपरेशन, सुख पेन का रायल इलाज, सर दर्द का इलाज, चोट लगी आंख का सफल इलाज, आंख की गांठ का ऑपरेशन, नवजात शिशु के परदे की जांच, दूरबीन द्वारा बिना टांका फेको विधि लेजर द्वारा मोतियाबिंद का ऑपरेशन आदि सुविधा प्रदान की जाएगी। इस मौके पर डॉ राहुल, डॉक्टर तौसीफ, डॉक्टर रिया, डॉक्टर असर कैन डॉक्टर रफत व अवध आई केयर सेंटर का स्टॉप शमसुद्दीन, धीरज, शिवानी, और इदरीश मास्टर के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

54 गया तीर्थ धाम यात्रियों ने श्री सत्य नारायण भगवान की कथा का श्रवण

प्रतापगढ़। मां बेल्हा देवी धाम के प्रांगण में रविवार दोपहर 12 बजे से ब्रह्मदेव जागरण मंच द्वारा गत वर्ष कराए गए 54 निःशुल्क गया तीर्थ धाम संग जगन्नाथ तीर्थ धाम के यात्रियों को निःशुल्क श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने के उपरांत मनाए जाने वाले वार्षिकोत्सव गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में श्री सत्य नारायण भगवान की कथा का आयोजन किया गया, जिसमें हवन के पश्चात प्रसाद का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सत्येन्द्र नारायण तिवारी ने कहा कि प्रभु का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे की संगठन को समाज के गरीब असहाय की सेवा का अवसर मिलता रहे। पृथ्वी पर सनातन धर्म ही है जो हिन्दू को एकता के सूत्र में बांधता है। इस अवसर पर रमा पति मिश्र, श्री प्रकाश दूबे, कृष्ण कुमार पाण्डेय विमलेंद्र ओझा, प्रभाकर पाण्डेय, राज़ कुमार मिश्र, राम कुमार पाण्डेय अनीता पाण्डेय मंजू शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

दिल ऐसे मुब्तिला हुआ तेरे मलाल में, जुल्फें सफेद हो गई उन्नीस साल में- हिमांशी बाबरा

● मौदहा में एक शाम मौलाना सलीम जाफरी के नाम आयोजित हुआ मुशायरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः– मौदहा कस्बे में एक शाम मौलाना सलीम जाफरी साहब के नाम आल इंडिया मुशायरा व कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमे हिन्दुस्तान के कोने-कोने से मशहूर शायरों ने अपने-अपने कलामों से खूब वाहवाही बटोरी। शनिवार को कस्बे के रहमानिया इंटर कालेज प्रांगण में आयोजित अखिल भारतीय मुशायरा व कवि सम्मेलन का शानदार आयोजन किया गया। जिसमे हिन्दुस्तान के मशहूर शायरों ने अपने-अपने कलामों से खूब वाहवाही बटोरी और श्रोताओं ने शायरी सुन जमकर दाद दी। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे कमरूद्दीन एवं मुशायरे की सदारत कर रहे समाजसेवी मौलाना खान, हलीम सिद्दीकी, कन्वीनर एडवोकेट चौधरी जुन्नूरैन व सरपरस्त अब्दुल रहमान ने शमां रौशन कर मुशायरे का आगाज कराया। जिसमे राहीं बस्तवी ने नाते रसूल पढ़कर मुशायरे का आगाज किया। इसके बाद मकामी शायर मसीह निजामी ने अपनी शायरी में जमकर वाहवाही बटोरी। इसके बाद ज़ीरो बांदवी ने मजाहिया कलाम के जरिए श्रोताओं को खूब मनोरंजन कराया। इसके बाद मेरठ से आई मशहूर युवा शायरा हिमांशी बाबरा ने

कुछ इस अंदाज में पढ़ा 'दिल ऐसे मुब्तिला हुआ तेरे मलाल में - जुल्फें सफेद हो गई उन्नीस साल मे' को खूब पसंद किया और जमकर दाद दी। इसके बाद आए हासिम फिरोजाबादी ने अपने कलामों से जमकर वाहवाही बटोरी उनके इस कलाम 'रिसालत पे जब बात आई तो सुन लो, किसी से भी दुनिया में हम न दबेंगे - मुकदमे में चलाओ के फांसी चढ़ाओ, हम आई लव मुहम्मद कहते रहेंगे।' को खूब पसंद किया गया। इसके बाद मशहूर शायर आरिफ़ सैफी के इस शेर 'मतलब के है यार दिलों के काले हैं , मौका मिलते ही सब डसने वाले हैं - जिसमे जितना जहर है हमको है सब मालूम, सबसे ज्यादा सांप हमी ने पाले हैं।' को जमकर पसंद किया गया। इसी प्रकार मशहूर शायरा अंजुम रहबर ने कुछ इस अंदाज में पढ़ा कि 'एक सांवली सी लड़की एक बावली सी लड़की - कच्ची है उम्र जिसकी कुछ दिन से जाने किसकी - चाहत में खो गई है दिवानी हो गई है, एक बावली सी....' को खूब पसंद किया गया। इसी तरह महोबा से आए हफीज कमाल ने कुछ इस अंदाज में पढ़ा की ' खतरा कैसा हो अंजाम उठा लेता है, कितना वजनी हो सामान

उठा लेता है - और कोई भी बाप हो बच्चों के लिए अपने सर दुनिया वालों का हर अहसान उठा लेता है।' इसी तरह खुर्शीद हैदर ने भी शानदार शायरी सुनाई। मुशायरे में हजारों की संख्या में श्रोताओं ने शायरो को खूब पसंद किया। उक्त मुशायरे की निजामत मारूफ खान ने की। मुशायरों में हंगामों और अपनी जज़्बाती शायरी के लिए मशहूर शायर हाशिम फिरोजाबादी के शायरी में जैसे ही सत्ता के विरोध और मुस्लिम समाज को इल्म, एकता और अखंडता को बनाए रखने की लाइनें आई तो मुख्य अतिथि की नाराजगी तथा मंच से बाहर जाने की भी चर्चा जोरों पर रहीं। चर्चा यह भी रही कि मुख्य अतिथि ने एक मेहमान शायर के साथ अश्लीलता और अभद्रता भी की है। जिससे कहीं न कहीं मौदहा के आवाम की मेजबानी पर सवालिया निशान खड़ा होने की चर्चाएं भी आम हैं। हालांकि आयोजक निजामुद्दीन पावर ने बताया की मुशायरा परिसर में ऐसी कोई घटना नहीं घटी है और आयोजन बेहद कामयाब रहा है, बाहर क्या हुआ है उनको जानकारी नहीं है। इस दौरान मौलाना सलीम जाफरी स्पोर्ट्स कमेटी के सभी सदस्य व श्रोता उपस्थित रहे।

बिसवां में एकता यात्रा, पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बिसवां में 'एक भारत आत्मनिर्भर भारत' विषय पर एक एकता यात्रा का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता का संदेश देना था। यह एकता यात्रा भोलागंज से शुरू हुई और लगभग 7 किलोमीटर की दूरी तय की। पदयात्रा का स्वागत प्रधान धर्म कांटा और पुरैनी में किया गया। इसके बाद, बड़ा चौराहा पर नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल ने यात्रा का स्वागत समारोह आयोजित किया। मेला मैदान गेट के पास भी स्वागत हुआ।

पदयात्रा का समापन कस्बे के भारत पैलेस पर हुआ, जहाँ एक मंच पर सभी अतिथियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया।

इस दौरान जगह-जगह जलपान की भी व्यवस्था की गई थी। भारत पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्रजेश शुक्ला, उपाध्यक्ष राज्य महानिषेध उत्तर प्रदेश सरकार (दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री) ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

अपने संबोधन में ब्रजेश शुक्ला ने कहा कि जिस तरह बिहार राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, उसी तरह आने वाले 2027 के चुनाव में भी उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यूपी में भी भाजपा सत्ता में लौटेगी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष सुधाकर शुक्ला, सकरन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कृष्ण कुमार, पूर्व नगर अध्यक्ष पंकज गुप्ता, महाराज नगर मंडल अध्यक्ष पंकजसिंह, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष सीमा शुक्ला, मानपुर मंडल अध्यक्ष अरविंद वर्मा, कमलापुर निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष अमर बाजपेई, बिसवां देहात मंडल अध्यक्ष मधुकांत मौर्य, सेवा भारती जिला अध्यक्ष महा नारायण वर्मा, सहकारिता संघ अध्यक्ष कृपा शंकर वर्मा, बिसवां पूर्व ब्लॉक प्रमुख राकेश वर्मा, महिला मोर्चा जिलाअध्यक्ष कंचन प्रभा पांडे, महिला मोर्चा जिलामंत्री शालिनी गुप्ता, महिला मोर्चा नगर उपाध्यक्ष ऊषा गुप्ता, नीतू त्रिवेदी, शिवांशु पाण्डेय, विनय मिश्रा, रामेंद्र वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान शिव के महामंत्र जाप में है सृष्टि का कल्याण- आचार्य संतोष जी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम के समीप पूरे दूधी रामगंज स्थित सुखसागर धाम में हो रही श्री शिवमहापुराण कथा में रविवार भगवान शंकर की मनोहरी कथा को सुनकर श्रद्वालु शिव भक्ति के परमानन्द में दिखे। कथाव्यास प्रयागराज के आचार्य संतोष जी महराज ने कहा कि भगवान शंकर के महामंत्र के जाप में सदैव सृष्टि का कल्याण है। उन्होने कहा कि भगवान शिव ने संसार में ईर्ष्या, द्वेश, भेदभाव , अनीत के विष का हरण किया। उन्होने कहा कि भगवान शंकर की स्तुति करने वाले प्राणी का प्राण संकट भी दूर हो जाया करता है। कथा व्यास आचार्य संतोष जी ने कहा कि शिव ही जगत के पालन हार है। उन्होने कहा कि शिव की आराधना सिर्फ उसी को फलीभूत हुआ करती है जो राग द्वेश से मुक्त हुआ करता है। उन्होने कहा कि भक्ति की साधना सदैव पवित्र हुआ करती है। उन्होने कहा कि भगवान भय का हरण किया करते है।

उन्होने बताया कि महादेव के मंत्र का जाप मनुष्य को सभी झंझावातों से छुटकारा दिलाया करता है। कथा के संयोजक देव नारायण मिश्र, श्याम नारायण मिश्र तथा अधिवक्ता मोनू पाण्डेय ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। सुषमा मिश्रा ने श्रद्धालुओं के प्रति आभार जताया। सह संयोजक गिरिजाशंकर मिश्र व शिवशंकर मिश्र ने प्रसाद वितरण में सहयोग किया।

इस मौके पर के के शुक्ला, शीलम पाण्डेय, नीरज मिश्रा,रोहित पाण्डेय, धीरज मिश्रा, डॉ0 रामराज तिवारी, आचार्य राजेश मिश्र, गुडड् पाण्डेय, ममता, आंचल, ज्योति पं0 कैलाशपति मिश्र, सुभाष पाण्डेय, सतीशचंद्र शुक्ला, श्रीप्रकाश मिश्र, विवेक शुक्ला, छेदीलाल शुक्ल, आदि रहे।

शिलापट्ट,अपना नाम नहीं होने पर भड़के बीजेपी विधायक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

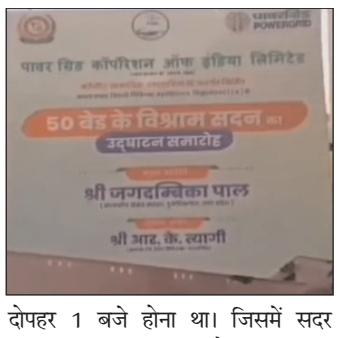

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के भाजपा विधायक श्यामधनी राही रविवार को मेडिकल कॉलेज में 50 बेड के विश्राम सदन का बिना उद्घाटन किए लौट गए। उन्होंने कहा कि एक समय था जब क्षेत्र के विपक्ष के विधायक का नाम भी जिला अस्पताल के शिलापट पर लिखा गया था। मैं तो सदर विधायक हूं। मेरा ही नाम नहीं लिखा है।

अब यहां रुकने का क्या मतलब ये कहकर विधायक गुस्से में लौट गए।दरअसल गेट पर लगे होर्डिंग पर सांसद जगदंबिका पाल का नाम मुख्य अतिथि और पावर ग्रिड के निदेशक आरके त्यागी का नाम विशिष्ट अतिथि में रूप में लिखा था। लेकिन विधायक का नाम गायब था।विधायक ने कहा कि मैं इस कार्यक्रम में क्यों रुकूं विधायक कार्यक्रम से बाहर निकलते हुए मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मैं सदर विधायक हूं, लेकिन शिलापट पर मेरा नाम नहीं डाला गया है। ऐसे में मैं इस कार्यक्रम में क्यों रुकूं? अब मैं यहां से दूसरे कार्यक्रम में जा रहा हूं। मेडिकल कॉलेज में मरीजों के तीमारदारों के लिए पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 50 बेड के विश्राम सदन का निर्माण कराया है। इसका उद्घाटन रविवार दोपहर 1 बजे होना था। जिसमें सदर विधायक श्यामधनी राही को भी आमंत्रित किया गया था। आमंत्रण के बाद वो आज उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंच गए।वहां पहुंचते ही उनकी नजर गेट के बाहर लगी होर्डिंग पर पड़ी। जिसे देखते ही उनका पारा चढ़ गया। अनावरण से ठीक पहले सदर विधायक श्यामधनी राही ने अपना नाम न होने पर आपत्ति जताई और वहां से वापस लौट गए।

हृदय रोगियों के लिए जीवनदायिनी इंजेक्शन अब निःशुल्क

● मेडिकल कॉलेज ही नहीं जिला अस्पताल और सीएचसी में भी यह सुविधा शुरू की गई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के हृदय रोगियों और उनके परिवारों को एक बड़ी राहत दी है। अब दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ने पर उपयोग होने वाला, लगभग चालीस हजार रुपये की लागत का जीवनरक्षक टीका राज्य के सभी सरकारी चिकित्सालयों में बिना किसी शुल्क के उपलब्ध होगा।

यह सुविधा केवल बड़े चिकित्सा महाविद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे जनपद अस्पतालों और प्रमुख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में भी शुरू किया गया है। यह फैसला ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले उन लाखों लोगों के लिए वरदान साबित होगा जो आर्थिक तंगी के कारण इस महंगे इलाज को वहन नहीं कर पाते थे।

हृदयघात के शुरुआती 'स्वर्णिम क्षण' में मिलेगा तुरंत उपचार

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, दिल का दौरा पड़ने के बाद शुरुआती एक घंटा या कुछ घंटे (गोल्डन आवर) रोगी की जान बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान तुरंत खून के थक्के को घोलने वाला टीका लगाना आवश्यक होता है।

कौन सा टीका: इस योजना के तहत, सरकार द्वारा टेनेक्टेप्लाज अथवा स्ट्रेप्टोकाइनेज जैसे जीवनरक्षक टीके निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ये टीके अवरुद्ध हुई रक्त नलिकाओं को खोलने में मदद करते हैं।

तत्काल व्यवस्था: स्वास्थ्य विभाग के नए निर्देश के अनुसार, किसी भी आपातकालीन स्थिति में आए दिल के दौरे के रोगी को तुरंत यह टीका लगाया जाएगा ताकि थक्का घुल जाए और रोगी की जान बचाई जा सके। मूल्य में बड़ी बचतः बाजार में इस टीके की कीमत 40,000 से 50,000 रुपये तक होती है, जो अब हर नागरिक के लिए निःशुल्क उपलब्ध है।

ग्रामीण अंचलों तक विस्तार

इस योजना का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सुविधा अब जनपद स्तर और

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाई गई है। इससे पहले, इस तरह के महंगे उपचार केवल लखनऊ, वाराणसी, कानपुर जैसे बड़े शहरों के विशेष संस्थानों में ही उपलब्ध थे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य महानिदेशक ने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस जीवनरक्षक टीके का पर्याप्त भंडार (स्टॉक) सुनिश्चित करें और आपातकालीन विभाग के कर्मचारियों को इसके उपयोग का उचित प्रशिक्षण दिया जाए। सरकार का यह कदम प्रदेश में हृदय रोगों से होने वाली मृत्यु दर (मृत्यु की संख्या) को कम करने की दिशा में एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।